RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:23 ता. 16 जूलाई 2023, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त

बांद्रा में स्ट्रीट शॉपिंग करती दिखीं सारा

सारा अली खान हेमशा अपने डाउन टू अर्थ नेचर को लेकर सुखियां बटोरती हैं। हाल ही में उन्हें मुंबई स्थित बांद्रा में स्ट्रीट शॉपिंग करते हुए देखा गया, जिसका एक वीडियो सामने आया है। इसमें सारा अपनी एक दोस्त के साथ शॉपिंग करते हुए दिखाई दे रही हैं। वीडियो में सारा ब्लैक टॉप और यलो प्रिंटेड शॉर्ट्स में नजर आ रही हैं। वह कुछ कपड़ों की खरीदारी के लिए बांद्रा की गलियों में घूम रही हैं। इस दौरान उनके साथ कोई सिक्योरिटी नहीं दिखाई दी। बता दें, पटौदी परिवार से होने के बावजूद सारा हमेशा साधारण जीवन जीना पसंद करती हैं। जैसे ही वीडियो सामने आया, सारा के फैंस ने उनकी खूब सराहना की। वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'कौन बोलेगा ये नवाब की बेटी हैं। बिंदास कहीं भी चली जाती हैं बिना खानदान की परवाह किए। उनकी दादी शमीर्ला जी एक रत्न हैं, शायद सारा उन्हीं पर गई हैं। दूसरे यूजर ने लिखा, 'सारा के बारे में एक बात जो मुझे पसंद है वह है उनकी सादगी'। सारा अली खान के वर्क फ्रंट की बात करे तो 2 जून सारा की फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' रिलीज हुई है। इस फिल्म में विक्की कौशल लीड रोल में थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है।

अलग-अलग हादसों में 50 से अधिक घायल

रूड़की। डाक कावड़ की भागमभाग में अलग-अलग हादसों में पांच कांवड़िये की मौत हो गई जबकि 50 से अधिक घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अलग-अलग अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनका उपचार किया जा रहा है। बाईपास से लेकर हाईवे पर शुक्रवार की रात बाइक और अन्य वाहन टकराने से हादसे हुए। दोनों जगहों पर कांवड़ियों की इतनी भीड़ थी कि रातभर जाम लगता रहा। जबकि भीड़भाड़ और तेज वाहन रफ्तार हादसों का कारण बने। अलग-अलग हुए हादसों में पांच कावड़ियों की मौत हो गई। जबकि 50 से अधिक घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को रुड़की सिविल अस्पताल के अलावा अन्य अस्पतालों में भर्ती कराकर उपचार दिलाया। एसपी देहात एसके सिंह ने बताया कि अलग-अलग जगहों पर हुए हादसों में अमित निवासी दिल्ली, चेतन निवासी नोएडा, हनी निवासी सहारनपुर, हरिराम निवासी दिल्ली और मोहित निवासी कुरुक्षेत्र की हादसों में मौत हो चुकी है। मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। साथ ही सभी का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। डाक कावड़ की भागमभाग में बाईपास पर अचानक एक कांवड़िये की बाइक में आग लग गई। जिससे बाईपास पर अफरातफरी मच गई। बाईपास से गुजर रहे कांवडियों ने बाइक में लगी आग को बुझाया। जिसके बाद बाईपास से गुजर रहे कांवडियों ने राहत की सांस ली।

बाइक सवार बाप-बेटे को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, मौत

पीलीभीत। खाद लेने सहकारी समिति पर जा रहे बाइक सवार पिता-पुत्र को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पिता की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बेटे ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। पूरनपुर तहसील के घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव गुलड़िया भूप सिंह निवासी किसान झम्मन लाल शुक्रवार को सुबह अपने बेटे योगेश कुमार के साथ खाद लेने के लिए बाइक पर सवार होकर सकरहना गांव में स्थित साधन सहकारी समिति पर जा रहे थे। पूरनपुर-मैगलगंज हाईवे पर बंडा की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे पिता-पुत्र दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को आनन फानन शाहजहांपुर जिले के बंडा कस्बे में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाया गया। स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सकों ने झम्मन लाल को मरा हुआ घोषित कर दिया। घायल योगेश ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बलरामपुर चौकी इंचार्ज अवधेश कुमार तिवारी ने बताया कि हादसे में पिता पुत्र की मौत हुई है। मृतकों के स्वजन की ओर से तहरीर मिलने पर दुर्घटना करने वाले कार चालक के खिलाफ प्राथमिकी लिखकर कार्रवाई की जाएगी। उधर, हादसे की सूचना घर पहुंचते ही स्वजन में चीत्कार मच गया।

आजम खां को हेट स्पीच मामले में दो साल की सजा

रामपुर। सपा नेता आजम खां को नफरती भाषण मामले में कोर्ट ने दोषी करार दिया है। कोर्ट ने आजम खां को दो साल की कैद और ढाई हजार रुपये जुमार्ना की सजा सुनाई है। सजा के प्रश्न पर आजम खां के अधिवक्ता और अभियोजन का पक्ष सुना गया। आजम खां पर आरोप था कि 18 अप्रेल 2019 को धमारा गांव में जनसभा के दौरान उन्होंने संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। उसके बाद एडीओ सहकारिता अनिल चौहान ने शहजादनगर में आजम खां के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने विवेचना के बाद कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की और सुनवाई के बाद शनिवार को आजम खां को नफरती भाषण मामले में दोषी करार दिया है। आजम खां इस समय न्यायिक अभिरक्षा में है और कोर्ट ने सजा के प्रश्न पर दोनों पक्षों को सुना है और अब कोर्ट ने आजम खां को दो साल की कैद और ढाई हजार रुपये जुमार्ना की सजा सुनाई है। हालांकि ऊपरी अदालत में याचिका को लेकर जमानत मिल गई है। कोर्ट से बाहर आने के बाद आजम बोले क्यों परेशान हो, सजा हो गई। क्या परेशानी है।

भारतीय नौसेना की और बढ़ेगी ताकत

बेड़े में शामिल होंगे 26 नेवी राफेल, फ्रांस से डील को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस की दो दिवसीय यात्रा पर थे। दोनों देशों के लिए ये यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई परियोजनाओं को लेकर समझौते हुए। वहीं, अब भारत सरकार ने भारतीय नौसेना को नवीनतम पीढ़ी के लड़ाकू विमानों से लैस करने के लिए राफेल मरीन के चयन की घोषणा की है। भारतीय नौसेना के 26 राफेल पहले से ही सेवा में मौजूद 36 राफेल में शामिल हो जाएंगे। इसकी जानकारी डसॉल्ट एविएशन के माध्यम से मिली है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय भारत में आयोजित एक सफल परीक्षण अभियान के बाद आया है, जिसके दौरान नौसेना राफेल ने प्रदर्शित किया कि यह भारतीय नौसेना की

परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करता है और इसके विमान वाहक की विशिष्टताओं के लिए पूरी तरह उपयुक्त है। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने गुरुवार को भारतीय नौसेना के लिए 26 लड़ाकू विमान राफेल-एम को खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रक्षा अधिकारियों ने जानकारी दी कि 26 विमानों में से 22 सिंगल-सीटर और 4 विमान ट्विन-सीटर हैं। यह विमान फ्रांस के दसॉल्ट एविएशन से खरीदे जाएंगे। जानकारी के मुताबिक, आईएनएस विक्रांत पर राफेल मरीन की तैनाती होने वाली है। बता दें कि साल 2016 के सितंबर में भारत ने 59,000 करोड़ रुपये के सौदे के तहत फ्रांस से 36 राफेल विमान खरीदे थे। गौरतलब है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद की ओर से इस प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया था।

यूएई के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को बांधा फ्रेंडशिप बैंड

पीएम बोले- हमारे रिश्ते बेहतर हुए, बुर्ज खलीफा पर तिरंगे के साथ मोदी की तस्वीर

नई दिल्ली। फ्रांस के 2 दिन के दौरे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक दिन के लिए वअए पहुंचे हैं। यहां उन्हें सेरेमोनियल वेलकम दिया गया। वअए के राष्ट्रपति भवन 'कसर अल वतन' में उनका स्वागत राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने पीएम मोदी की कलाई पर फ्रेंडशिप बैंड भी बांधा। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बैठक भी हुई। इसके बाद साझा बयान में पीएम मोदी ने कहा- दोनों देशों के संबंध पहले से काफी बेहतर हुए हैं। हर भारतीय अब वअए को सच्चे दोस्त की तरह देखता है। पीएम मोदी के दौरे पर भारत और वअए के बीच एक दूसरे की करेंसी में व्यापार करने पर समझौता भी हुआ है। इससे पहले अबू धाबी के एयरपोर्ट पर उन्हें वअए के क्राउन प्रिंस शेख खालिद ने रिसीव किया। पीएम मोदी के स्वागत में बुर्ज खलीफा पर तिरंगे और उनकी तस्वीर के साथ वेलकम ऑनरेबल प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी लिखा गया। हमारा बाइलेट्रल ट्रेड 20% तक बढ़ा है। दोनों देशों के बीच का ट्रेड 85 अरब डॉलर यानी करीब 6 लाख करोड़ रुपए पहुंच चुका है। ये जल्द ही 100 अरब डॉलर यानी 8 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचेगा। मुझे आपसे मिलकर बेहद खुशी हुई। आपने मुझे जो

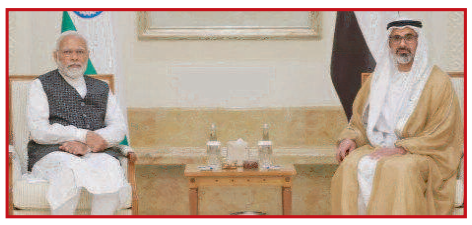

सम्मान दिया है वो हमारे बीच के भाईचारे को दिखाता है। हम अपनी साझेदारी को मजबूत करने के लिए नई पहल कर रहे हैं। व्यापार में एक-दूसरे की करेंसी के इस्तेमाल पर आज हुआ समझौता दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक सहयोग और विश्वास को दर्शाता है। पिछले साल हमने दोनों देशों के बीच कॉम्प्रीहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट साइन किया था, जो राष्ट्रपति नाहयान के सहयोग के बीच मुमकिन नहीं था। PM बनने के बाद ये उनका 5वां UAE का दौरा है। 2019 में PM मोदी को UAE ने अपने सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ जायद' से सम्मानित किया था। दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को लेकर चर्चा हुई और कई MOUs साइन किए गए हैं। PM मोदी ने वअए की नेशनल ऑयल कंपनी के उएड सुल्तान अल- जाबेर के साथ बैठक की। रूस, सऊदी अरब और इराक के बाद वअए भारत का चौथा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता है। UAE उन अरब देशों में से एक है जो पाकिस्तान के नजदीकी हैं। उनकी दोस्ती का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान को वअए ने भंडार बढ़ाने के लिए 1 अरब अमेरिकी डॉलर की मदद की है।

ये पहला मौका नहीं, इससे पहले भी वअए पाकिस्तान को कर्ज देकर मदद कर चुका है। हालांकि, पाकिस्तान से अच्छे संबंध होने के बावजूद वअए कश्मीर को लेकर भारत के खिलाफ कोई भी बयान देने से बचता है। 2019 में जब भारत ने कश्मीर को विशेषाधिकार देने वाले आर्टिकल 370 को खत्म किया तो वअए ने इसे भारत का आंतरिक मसला बताया था, जबकि पाकिस्तान भारत के इस एक्शन पर अरब देशों से कड़ी प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहा था।

राहुल गांधी बोले: मणिपुर जल रहा, पीएम चुप हैं

नई दिल्ली। मणिपुर में 3 मई से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा जारी है। इस हिंसा को लेकर राहुल गांधी ने शनिवार को ट्वीट करते हुए पीएम की चुप्पी पर निशाना साधा। राहुल ने लिखा, मणिपुर जल रहा। यूरोपियन संसद ने भी भारत के आंतरिक मामले पर चर्चा की। पीएम ने इस पर एक शब्द भी नहीं कहा। राफेल ने पीएम को बैस्टिल डे परेड का टिकट दिला दिया। राहुल के ट्वीट पर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने पलटवार किया। स्मृति ने राहुल को राजवंश का हारा हुआ व्यक्ति बताया। ईरानी लिखती हैं, एक व्यक्ति जो भारत के आंतरिक मामलों में अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप चाहता है। जब हमारे प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय सम्मान मिलता है तो राजवंश का वह हारा हुआ भारत का मजाक

उड़ाता है। लोगों ने उसे खारिज कर दिया है। स्मृति के बयान पर कांग्रेस जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल ने कहा, स्मृति जी पीएम से कहिए इस पर बात करें। प्रधानमंत्री दुनिया भर में घूम रहे हैं लेकिन मणिपुर मुद्दे पर एक मिनट भी बात नहीं कर रहे हैं। राहुल गांधी ने 29 जून को मणिपुर का दो दिन का दौरा किया था। पहले दिन राहुल ने चूराचांदपुर में रिलीफ कैंप में पीड़ितों से मुलाकात की थी।

गोरखपुर के सरकारी स्कूल में खाने में मिले कीड़े

20 बच्चे पड़े बीमार

गोरखपुर । एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय सराय गुलरिहा में दोपहर के भोजन में राजमा-चावल परोसा गया। राजमा में कीड़े पड़े थे। खानी में खाना आते ही कीड़े देख बच्चों ने उल्टियां करनी शुरू कर दी। उन्हें नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। बच्चों के बीमार पड़ते ही यह घटना आग की तरह पूरे क्षेत्र में फैल गई। सूचना मिलते हर आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। इस दौरान बच्चों के अभिभावकों ने भी स्कूल पहुंचकर हंगामा करना शुरू कर दिया। चरगांवा के बालापार स्कूल में भी यही भोजन पहुंचने की खबर है। दरअसल, नगर क्षेत्र और चरगांवा क्षेत्र

में मध्याह्न भोजन वितरण की जिम्मेदारी अक्षय पात्र फाउंडेशन को दी गई है। शनिवार की सुबह 11 बजे एजेंसी के कर्मचारी कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय सराय गुलरिहा में भोजन लेकर पहुंचे थे। भोजन करते ही स्कूल में मौजूद किसी बच्चे के पेट में दर्द शुरू हो गया तो किसी को उल्टियां होने लगी। जबकि, कई बच्चों ने भोजन करते ही चक्कर आने की भी शिकायत की।

देश के 54 शहरों में टमाटर के दाम 150 के पार

नई दिल्ली। देशभर में टमाटर की कीमतें आसमान छू रही हैं और फिलहाल इनमें कोई कमी होती नहीं दिख रही है। पिछले दिनों चंडीगढ़ में तो इसके फुटकर दाम 300 से 350 रुपये प्रति किलो पहुंच गए। वहीं, गाजियाबाद में टमाटर 250 रुपये किलो तक बिका। इस बीच कृषि विशेषज्ञों ने कहा है कि टमाटर की कीमतें और भी अधिक बढ़ सकती हैं और आने वाले हफ्तों में 300 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती हैं। टमाटर के दाम बढ़ने से लोग परेशान हैं। कई लोग सब्जियों में टमाटर का इस्तेमाल करना भी बंद कर चुके हैं। इस बीच हमें जानना जरूरी है कि टमाटर के दाम देश के अलग-अलग हिस्सों में क्या हैं? अभी कीमतें क्यों बढ़ रही हैं? क्या आगे राहत मिलेगी और स्थिति से निपटने के लिए सरकार क्या कर रही है? देशभर में टमाटर के खुदरा दाम बढ़ गए हैं। जून में कीमतें 40 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर जुलाई के पहले सप्ताह में औसतन 100 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं। उपभोक्ता मामले विभाग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 14 जुलाई को टमाटर की औसत कीमत 117.64 रुपये/किलो, अधिकतम कीमत 244 रुपये/किलो, न्यूनतम कीमत 40 रुपये/किलो और मॉडल

कीमत 100 रुपये/किलो रही। उपभोक्ता मामले विभाग के मुताबिक, देश में कम से कम 54 शहरों में टमाटर की कीमत 150 रुपये/किलो या इससे ज्यादा है। सबसे ज्यादा टमाटर के दाम 244 रुपये/किलो होशियारपुर में हैं। इसके बाद हापुड़ में कीमत 230, बागपत में 200, कृष्णानगर में 198, मानसा में 197 और बरनाला, श्री मुक्तसर साहिब, अमरोहा व गाजियाबाद में 190 रुपये/किलो है। आंकड़ों के अनुसार, पूरे देश में कम से कम 92 शहर ऐसे हैं जहां टमाटर के दाम 100 रुपये प्रति किलो से कम हैं। सबसे कम कीमत दक्षिण शालमारा मनकाचर और मामित में है। इन दोनों जगहों पर एक किलो टमाटर 40 रुपये में मिल रहा है। इसके बाद धुबरी में दाम 42, कोलार में 47, नागौर में 48 और मंगलदोई, अशोकनगर, झुंझुनू, पाकुड़ व गोलाघाट में 50 रुपये/किलो हैं। भारी बारिश के कारण देश के विभिन्न क्षेत्रों से आपूर्ति प्रभावित होने के कारण देशभर में टमाटर की खुदरा कीमतें बढ़ गई हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से चौबीस घंटों में 18 की गई जान

पटना । बिहार में इन दिनों आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं बहुत अधिक हो रही हैं। जानकारी के अनुसार चालू मानसून सीजन के बीच 24 घंटों में आकाशीय बिजली की चपेट में आकर कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। इन में से पांच रोहतास में, अरवल में चार, सारण में तीन, औरंगाबाद और पूर्वी चंपारण में दो-दो और बांका और वैशाली जिले में एक-एक मृतक शामिल हैं। घटनाओं को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मृतकों के परिवार के प्रत्येक सदस्य को 4 लाख रुपये मुआवजे देने की घोषणा की है। इधर आपदा प्रबंधन एजेंसी लोगों से, विशेषकर ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों से अपील कर रही है कि वे बारिश होने पर कृषि क्षेत्र में जाने से बचें या पेड़ों, बिजली के खंभों या मिट्टी से बने घरों के नीचे खड़े न हों। उन्होंने शहरी इलाकों में रहने वाले लोगों को भी चेतावनी दी है कि वे बारिश के दौरान खिड़कियों से दूर रहें और रेफ्रिजरेटर और एसी जैसे बिजली से चलने वाले उपकरणों को न छूएं, न ही उनके पास जाएं। आपदा प्रबंधन एजेंसी ने कहा है कि इमारतों की छतों पर जाने से भी बचना चाहिए।

बिपरजॉय से उजड़े किसानों के लिए 240 करोड़ रुपये की राहत

अहमदाबाद । गुजरात सरकार ने बिपरजॉय से उजड़े किसानों के लिए राहत पैकेज की घोषणा की है। गौरतलब है कि पिछले महीने कच्छ और बनासकांठा जिलों में आए चक्रवात बिपरजॉय के बाद किसानों को काफी नुकसान झेलना पड़ा था। अब प्रभावित किसानों के लिए सरकार ने 240 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा की है। राहत पैकेज में खड़ी फसलों, पौधों और पेड़ों को हुए नुकसान से निपटने के लिए वित्तीय सहायता शामिल है। जानकारी के अनुसार कच्छ और बनासकांठा में लगभग 1.30 लाख हेक्टेयर भूमि प्रभावित हुई है। भयंकर चक्रवात के कारण जमीन से टकराने के दौरान कई फलदार पेड़ पूरी तरह से उखड़ गए या आंशिक रूप से नष्ट हो गए। सरकार ने कहा है कि जिन किसानों को अपनी बारहमासी बागवानी फसलों या पेड़ों को 10 से 33 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है, उन्हें प्रति हेक्टेयर 25,000 रुपये की सहायता मिलेगी। यदि क्षति उनकी कुल बारहमासी बागवानी फसलों या पेड़ों के 33 प्रतिशत से अधिक है, तो किसान 1.25 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर के मुआवजे के पात्र होंगे, जिसकी अधिकतम सीमा दो हेक्टेयर होगी। मुआवजे का लाभ उठाने के लिए, जिन किसानों के नाम सर्वेक्षण टीमों की सूची में शामिल किए गए हैं, उन्हें संबंधित तालुका विकास अधिकारी को आवेदन जमा करना होगा, इसके बाद ही राहत राशि दी जाएगी।

मुंबईकर बरते सावधानी, मायानगरी में बढ़े स्टमक फ्लू के मरीज

मुंबई । मॉनसून के शुरू होते ही मुंबई महानगर में स्टमक फ्लू के मरीज बढ़ रहे हैं। बीएमसी स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, मुंबई में जुलाई के पहले 8 दिन के दौरान रोजाना औसतन 60 स्टमक फ्लू के केस सामने आए थे। 1 से 8 जुलाई के बीच स्टमक फ्लू (गैस्ट्रो) के 474 मामले और जून में 1744 केस रिपोर्ट हुए थे। जानकारों का कहना हैं कि मुंबईकरों को अपने पेट का खास ख्याल रखने की जरूरत है, अन्यथा यह फ्लू उनकी किडनी या लीवर को प्रभावित कर सकता है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, स्टमक फ्लू भी अब वायरल बुखार की तरह हो गया है। इस समस्या से न केवल आम मुंबईकर ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड के कई दिग्गज भी संक्रमित हुए हैं। कई फिल्म मेकर इस समस्या से प्रभावित हुए हैं। गुरुवार को फिल्म मेकर हंसल मेहता ने ट्वीट किया कि उन्हें गुरुवार की सुबह पेट में दर्द उठा, वहां भी बिना कुछ खाए और पीए। जब उन्होंने अपने डॉक्टर से संपर्क किया तब पता चला कि इन्फेक्शन स्टमक बग के कारण हुआ है। यह संक्रमण पानी के कारण हो सकता है। बीएमसी के आंकड़ों के अनुसार, जून में रोजाना औसतन 58 लोग स्टमक फ्लू से ग्रसित हो रहे थे। जुलाई के पहले आठ दिन में ही 60 लोगों की पहचान हुई है। पेट रोग विशेषज्ञ डॉ. वी. पुरुषोत्तम ने कहा कि मॉनसून में अक्सर गैस्ट्रो के मामले बढ़ जाते हैं। यह दूषित खाना खाने या फिर पानी पीने के कारण होता है। उन्होंने कहा कि मॉनसून से पहले ओपीडी में आनेवाले मरीजों की संख्या कम थी, अब डबल हो गई है। दस्त और उल्टी होने से बॉडी डिहाइड्रेट होती है। इससे शरीर पर बुरा असर पड़ता है। मरीज को भर्ती करना जरूरी हो जाता है। डॉ.मधुकर गायकवाड ने बताया कि पिछले एक सप्ताह के दौरान ओपीडी में 20 गैस्ट्रो के मरीज की जांच की है। इसमें से 10 मरीजों को भर्ती करना पड़ा। इन्हें पेट और आंत में सूजन के साथ ही दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत थी। रिकवरी में 6 से 7 दिन का समय लगता है। कई प्रकार के बैक्टेरिया के कारण यह समस्या होती है, इसकारण खानपान पर विशेष ध्यान रखना चाहिए।

अमरनाथ यात्रा के 14वें दिन 24 हजार श्रद्धालुओं ने शिवलिंग के दर्शन किए

श्रीनगर । अमरनाथ यात्रा के 14वें दिन 24 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने गुफा मंदिर के अंदर शिवलिंग के दर्शन किए, जबकि 7,392 भक्तों का एक और जत्था शनिवार को जम्मू से कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा कि एक जुलाई को वार्षिक तीर्थयात्रा शुरू होने के बाद से 1.87 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर के दर्शन किए हैं। 7,392 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था शनिवार सुबह एक सुरक्षा काफिले में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा कि इनमें से 4,897 पुरुष, 2,095 महिलाएं, 55 बच्चे, 319 साधु और 26 साध्वियां हैं। यात्रा में अब तक प्राकृतिक कारणों से 19 लोगों की मौत हो चुकी है। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में 3-4 दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग दर्शन के बाद उसी दिन बेस कैंप लौट आते हैं। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं। 62 दिनों तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा 31 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा उत्सव के साथ समाप्त होगी।

बैंक पर साइबर डकैती 63 खातों से निकालें 15 लाख, न ओटीपी न मैसेज निकल गये पैसे

इंदौर । बैंक आफ बड़ौदा पर साइबर अटैक करते अटेकर ने करीब डेढ़ सौ ग्राहकों के रुपये दिल्ली से एटीएम द्वारा निकाल लिए । सबसे ज्यादा इंदौर और भोपाल के ग्राहक प्रभावित हैं। सूचना मिलने के बाद क्राइम ब्रांच के साइबर एक्सपर्ट जांच में जुट गए हैं। बैंक से भी जानकारी मांगी जा रही है शक है बैंक से ही डाटा लीक हुआ है। जबकि बैंक ने कहा है कि हमारा सिस्टम पूरी तरह सर्टिफाइड ही। डीसीपी (अपराध) निमिष अग्रवाल के मुताबिक, बैंक आफ बड़ौदा की अलग-अलग शाखाओं के ग्राहकों द्वारा रुपये निकालने की शिकायत की गई है। पीड़ितों ने बताया कि रुपये दिल्ली के चाणक्यपुरी, नेहरू प्लेस और पार्लियामेंट हाउस के पास बने एटीएम से निकाले गए हैं। खास बात यह कि जिन लोगों के खातों से रुपये निकले, उनके पास न तो ओटीपी आया, न बैंक की तरफ से मैसेज भेजा गया। कई लोगों को तो दो-तीन दिन बाद पता चला कि उनके खाते से राशि निकल गई है। डीसीपी निमिष अग्रवाल के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर तक पांच शिकायतें दर्ज हुई हैं। विशेषज्ञों की राय में बैंक ऑफ़ बड़ौदा के 63 ग्राहकों के खातों से 15 लाख रुपए निकलने का यह मामला 'बॉब वर्ल्ड' से जुड़ता नजर आ रहा है। बॉब वर्ल्ड, इसी बैंक का एक एप है, जिसे बैंक प्रबंधन ने ज्यादा संख्या में डाउनलोड कराने का टारगेट स्टाफ को दिया था। कैसे क्या हुई ये धोखाधड़ी वो सच्चाई तो अब जांच के बाद ही सामने आएंगी ।

भाजपा और कांग्रेस सरकारों में दलितों की सुरक्षा बहुत ही मुश्किल : मायावती

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने राजस्थान में दलित उत्पीड़न एवं हत्या के मामले पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा-कांग्रेस से दलितों की सुरक्षा की उम्मीद नहीं की जा सकती है। बसपा मुखिया मायावती ने ट्वीट के माध्यम से लिखा कि राजस्थान में भी दलित उत्पीड़न/हत्या का मामला अति-दु:खद तथा वहां की कांग्रेस सरकार के लिए अति-शर्म की बात। करौली जिले में दलित बच्ची की घर से सोते हुए अपहरण व हत्या करके एसिड से जली उसकी लाश को कुएं में फेंकने की जातिवादी घटना की जितनी भी निंदा करे कम है। उन्होंने लिखा कि वैसे कांग्रेस हो या बीजेपी जैसी अन्य पार्टियों की सरकारों से गरीबों, मजलूमों, दलितों, आदिवासियों व अति पिछड़े आदि उपेक्षितों के उत्पीड़न तथा उनकी सुरक्षा व सम्मान की उम्मीद कतई नहीं की जा सकती है, फिर भी सरकार से मांग है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे।

पूर्वोत्तर राज्यों के मामले में मोदी सरकार की नीति एक्ट लीस्ट बन गई : खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र की मोदी सरकार पर कटाक्ष कर कहा कि इसके शासन में एक्ट ईस्ट नीति पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक्ट लीस्?ट (काम काम) नीति बन गई है और देश भगवा पार्टी की विभाजन की शातिर राजनीति का हमला देख रहा है। आम 2024 की तैयारी के लिए पूर्वोत्तर राज्यों मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा, सिक्किम के नेताओं की एक बैठक की अध्यक्षता के बाद खरगे ने एक ट्वीट में यह टिप्पणी की।

कांग्रेस प्रमुख ने बैठक के दौरान मणिपुर में बिगड़ती स्थिति पर प्रकाश डाला, जो सभी नेताओं की एक प्रमुख चिंता थी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, मिजोरम के नेताओं को बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया, क्योंकि वे पहले ही 6 जुलाई को खड़गे, पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी और महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल से मिल चुके थे। उन्होंने कहा कि चुनाव की तैयारियों पर चर्चा के लिए असम के नेताओं के साथ बाद में बैठक की जाएगी।

खड़गे ने भाजपा पर निशाना साधकर कहा, मोदी सरकार की एक्ट ईस्ट नीति हमारे पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक्ट लीस्ट नीति बन गई है। भारत, आज भाजपा की विभाजन और कलह की शातिर राजनीति का हमला देख रहा है। समुदायों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा किया जा रहा है। वहीं बोलने की आजादी पर हमला हो रहा है। मौलिक अधिकारों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। खड़गे ने कहा कि लगातार कांग्रेस सरकारों द्वारा स्थापित शांति, अमन और प्रगति की ठोस नींव को योजनाबद्ध तरीके से खत्म किया जा रहा है।

उन्?होंने कहा, पूर्वोत्तर में कांग्रेस पार्टी द्वारा कार्यान्वित महत्वपूर्ण जीवन-बदलने वाली परियोजनाओं को भाजपा द्वारा नकली श्रेय लेने के लिए हथियाया जा रहा है। यह कांग्रेस पार्टी के प्रत्येक नेता और कार्यकर्ता के लिए सभी को एकजुट करने का समय है। विविधता में एकता हमारा हॉलमार्क भर नहीं है, यह हमारे अस्तित्व का आधार है। अब जमीन पर उतरने और बूथ स्तर से शुरुआत करने का समय है। लोगों तक पहुंचें और पूर्वोत्तर में हमारे साथी नागरिकों की आवाज को मजबूती से उठाएं। कोई भी विपक्ष सच्चाई की ताकत का सामना नहीं कर सकता है।

उन्होंने ने कहा कि हम सीमावर्ती राज्य में शांति को बढ़ावा देने और मुद्दों को हल करने के लिए सब कुछ किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी हमारे संवैधानिक लोकाचार - सामाजिक न्याय, शांति, प्रगति और पूर्वोत्तर राज?यों के कल्याण के लिए लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। मणिपुर में जातीय हिंसा 3 मई को भड़की थी जिसमें 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई और हजारों लोगों को राहत शिविरों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाकर पूर्वोत्तर राज्य में स्थिति को नियंत्रित करने में विफल रहने के लिए मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को तत्काल हटाने की भी मांग की है।

कांग्रेस जुटी चंद्रयान 3 पर श्रेय लेने में, इसरो को बताया नेहरू का सपना

नई दिल्ली। कांग्रेस ने इसरो को पंडित नेहरू का सपना बताया है, यह बात उस समय कही है जब चंद्रयान 3 का सफल प्रक्षेपण किया गया है। चंद्रयान3 के सफल प्रक्षेपण के बाद कांग्रेस और भाजपा में श्रेय लेने की होड़ भी शुरू हो गई है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इसरो की स्थापना को देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का सपना बताया, तो वहीं भाजपा की तरफ से जवाब देते हुए भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने इसरो की स्थापना की तारीख याद दिलाते हुए कहा कि इसरो की स्थापना अगस्त 1969 में हुई थी, जबकि जवाहर लाल नेहरू की मृत्यु मई 1964 में हुई थी। इस पर कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने ट्वीट कर कहा कि इसरो का सपना पंडित नेहरू ने देखा था, जिसे इंदिरा गांधी ने पोषित किया, राजीव गांधी ने महान ऊंचाइयों पर पहुंचाया और डॉ. मनमोहन सिंह ने नया मुकाम हासिल किया। सभी के लिए गर्व का क्षण, जब हम चंद्रमा पर विजय प्राप्त करने के लिए चंद्रयान 3 को उत्साहपूर्वक उड़ान भरते हुए देख रहे हैं! जय हिन्द। इधर कांग्रेस नेता के दावे पर जवाब देते हुए भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने ट्वीट कर कहा कि चंद्रयान 3 के सफल प्रक्षेपण का श्रेय लेने की लालसा में, कांग्रेस ने दावा किया कि यह सब इसलिए हुआ, क्योंकि नेहरू ने इसरो का सपना देखा था। छोटा सा तथ्य यह है कि नेहरू की मृत्यु मई 1964 में हुई और इसरो की स्थापना अगस्त 1969 को हुई। बात यहीं खत्म नहीं होती। भारत द्वारा अब तक लॉन्च किए गए 424 विदेशी उपग्रहों में से 389 पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्रित्व काल में लॉन्च किए गए थे। यह स्पष्ट है कि नेहरू ने सपने के अलावा बहुत कुछ नहीं किया। जबकि इंदिरा से लेकर मनमोहन तक किसी ने भी नेहरू के सपने को पूरा नहीं किया।

आसान नहीं है यूसीसी की राह, बीजेपी शासित राज्य अरुणाचल ने भी आपत्ति जताई

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी शासित राज्य अरुणाचल प्रदेश ने भी समान नागरिक संहिता पर आपत्ति जताई है। अरुणाचल में 26 समुदायों के संयुक्त मंच, अरुणाचल इंडिजिनस ट्राइब्स फोरम ने विधि आयोग को पत्र भेजकर कहा कि 26 मुख्य और लगभग 100 उप-जनजातियों वाले राज्य अरुणाचल में विभिन्न पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया जाता है। इसलिए सभी पर समान नागरिक नियम नहीं थोपे जाने चाहिए. उनका कहना है कि 'मुख्यभूमि' में समान नियम लागू करने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन अरुणाचल की आदिवासी सरदारी को इसके दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।

समान नागरिक संहिता पर पहले ही तीन ईसाई बहुल राज्यों मिजोरम, मेघालय और नागालैंड की सरकारों और विभिन्न संगठनों द्वारा आपत्तियां उठाई जा चुकी हैं। मिजोरम के राज्यसभा सांसद के वनलालवेना ने विधि आयोग को पत्र भेजकर कहा कि पूर्वोत्तर की जनजातियों पर एक समान नियम लागू करना अव्यावहारिक है। इसे कोई स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने एक कदम आगे बढ़ाते हुए दावा किया कि अंग्रेजों के आने से पहले मिजोरम कभी भी भारत का हिस्सा नहीं था। अंग्रेजों के अधीन भी वे केवल 57 वर्ष तक थे और तब भी वे मुख्य भारत के अधीन नहीं थे। लेकिन 1947 में हमारी मातृभूमि को बिना किसी प्रशासनिक समझौते के नवगठित भारत में शामिल कर लिया गया। इसलिए मिजोरम का भारतीय रीति-रिवाजों और कानूनों से कभी कोई लेना-देना नहीं रहा।

अब मिजोरम में समान नागरिक संहिता लागू करने का कोई सवाल ही नहीं है। हालांकि, नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने केंद्र के साथ आपत्तियों पर चर्चा के बाद संवाददाताओं से कहा कि केंद्र पूर्वोत्तर के प्रभुत्व वाले क्षेत्र प्रस्तावित समान नागरिक संहिता से बाहर सभी ईसाई और आदिवासियों को साथ रखने के बारे में सोच रहा है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में 18 जुलाई को एनडीए की बैठक, चिराग और मांझी को न्यौता

-अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल शामिल होने वाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में 18 जुलाई को एनडीए की बैठक होगी। इसमें अपने स्वर्गीय पिता रामविलास पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी में हुई बगावत के बाद चाचा पशुपति पारस को केंद्र सरकार में मंत्री बनाए जाने की वजह से भाजपा से नाराज चल रहे चिराग पासवान को आमंत्रित किया गया है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने साथ ही हम के संस्थापक संरक्षक जीतन राम मांझी सहित एनडीए में शामिल तमाम घटक दलों के राष्ट्रीय अध्यक्षों को भी 18 जुलाई की बैठक के लिए आमंत्रित किया है। दिल्ली के अशोक होटल में 18 जुलाई को शाम 5 बजे होने वाली बैठक में एनसीपी के अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल भी शामिल होने वाले हैं। यह बताया जा रहा है कि इस बैठक में कई अन्य नए साथी (राजनीतिक दल) भी एनडीए में शामिल हो सकते हैं।

चिराग को लिखे पत्र में नड्डा ने उनकी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास पासवान) को एनडीए की अहम साथी बताकर कहा है कि एनडीए के महत्वपूर्ण साथी दल के रूप में चिराग प्रधानमंत्री नरेंद्र के नेतृत्व में एनडीए सरकार द्वारा देश के विकास को गति देने वाली सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की यात्रा के प्रमुख सहयोगी भी हैं। एनडीए बैठक में शामिल होने का न्यौता देकर नड्डा ने कहा कि एनडीए के महत्वपूर्ण साथी दल के रूप में उनकी भूमिका और सहयोग गठबंधन को न सिर्फ मजबूत बनाता है बल्कि देश की विकास यात्रा को भी सुदृढ़ता प्रदान करता है।पत्र में बैठक की जगह, तिथि और समय के बारे में भी बताया गया है। इसमें बताया गया, आगामी 18 जुलाई 2023, मंगलवार को सायं 5 बजे नई दिल्ली स्थित होटल अशोक में माननीय प्रधानमंत्री जी की उपस्थिति में एनडीए की बैठक होनी तय हुई है। इस बैठक में आप सादर आमंत्रित हैं। नड्डा ने चिराग के अलावा हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक जीतन राम मांझी को भी बैठक में शामिल होने का न्यौता दिया है। उन्होंने पत्र में लिखा कि आपकी पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए की अहम साथ है। इसलिए 18 जुलाई को होने वाली बैठक में आप सादर आमंत्रित हैं। बता दें, संयुक्त विपक्ष की बैठक भी 18 जुलाई को होगी। यह बैठक बेंगलुरु में होगी। इस बैठक में शामिल होने के लिए 24 दलों को आमंत्रित किया गया है।

तीन तलाक विरोधी कानून बनने से मुस्लिमों में तलाक की दर 96प्र. घटी, मगर ओवैसी को यह उपलब्धि रास नहीं आई

नई दिल्ली। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा है कि 2019 में तीन तलाक को कानून के तहत दंडनीय अपराध बनाए जाने के बाद मुसलमानों में तलाक की दर में '96 प्रतिशत की कमी आई है' और इससे महिलाओं और बच्चों को लाभ पहुंचा है। देखा जाये तो यह इस कानून की बहुत बड़ी उपलब्धि है मगर केरल के राज्यपाल के इस बयान पर एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी भड़क गये हैं। उन्होंने कहा है कि केरल के राज्यपाल को इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो जाना चाहिए। हम आपको यह भी बता दें कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर दिल्ली में एक सम्मेलन को संबोधित करने आये केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने इस बात पर आश्चर्य भी जताया कि क्या यह अजीब बात नहीं है कि जब कोई न्याय मांगता है तो उसे पहले अपने धर्म का जिक्र करना पड़ता है। यूसीसी को लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा अपनी आपत्ति विधि आयोग को भेजने पर आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि हर किसी को अपना विचार रखने का अधिकार है। उन्होंने बाद में संवाददाताओं से कहा, 'विधि आयोग ने सुझाव आमंत्रित किए हैं... और मुझे पूरी उम्मीद है कि जो भी सुझाव आएंगे, विधि आयोग और सरकार उन पर पूरा ध्यान देगी।'

राहुल गांधी ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा, हाई कोर्ट ने सजा पर रोक से किया था इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मानहानि मामले में सूरत अदालत के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राहुल गांधी को इस साल मार्च में मानहानि मामले में कोर्ट ने दोषी ठहराया गया था और दो साल जेल की सजा सुनाई थी। इसके बाद राहुल ने गुजरात हाई कोर्ट का रुख किया था। हालांकि, गुजरात हाई कोर्ट ने अपनी सजा पर रोक लगाने की मांग करने वाली राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी थी। मोदी सरनेम के संबंध में 2019 कर्नाटक चुनाव रैली के दौरान की गई उनकी टिप्पणी के बाद, भाजपा गुजरात विधायक पूर्णेश मोदी द्वारा गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला दायर किया गया था।

सूरत कोर्ट ने राहुल गांधी को दोषी करार दिया था और जुर्माने के साथ दो साल की सजा सुनाई थी। सूरत जिला अदालत और गुजरात उच्च न्यायालय दोनों ने किसी भी तरह की राहत देने और दोषसिद्धि को रद्द करने से इनकार कर दिया था, साथ ही राहुल गांधी की निंदा भी की है। राहुल गांधी की टीम दोषसिद्धि को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट की ग्रीष्मकालीन अवकाश अवधि समाप्त होने का इंतजार कर रही थी। इस बीच, पूर्णेश मोदी ने सुप्रीम कोर्ट में एक कैविएट दायर की है, जिसमें जोर देकर कहा गया है कि जब राहुल गांधी या कोई संबंधित पक्ष गुजरात उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दे तो उनकी दलीलें भी सुनी जानी चाहिए।

बाढ़ के बाद भी दिल्ली वासियों को झेलनी होगी नई मुसीबतें, बीमारियां होंगी पैदा

-प्रभावित क्षेत्रों के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने किया अलर्ट, दवाइयां तैयार रखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली वासियों को बाढ़ के बाद स्वास्थ्य का खतरा सताने लगा है। विशेषज्ञों ने इसके लिए चेतावनी भी जारी कर दी है, ताकि अमला स्वास्थ्य संबंधी दवाईयां तैयार रखे। गौरतलब है कि उत्तर भारत के कई हिस्सों में पिछले अनेक दिनों से लगातार भारी बारिश हो रही है। हालांक इस के बाद हुछ हद तक हालात सुधरे हैं। गुरुवार को यमुना नदी में जल स्तर अब तक के सबसे ऊंचे स्तर- 208 मीटर से अधिक पर पहुंच गया था। अब जबकि जल स्तर धीरे-धीरे कम होना शुरू हो गया है, इसके बावजूद शहर के कई इलाके जैसे कश्मीरी गेट, आईटीओ और राजघाट अभी भी जल-जमाव से जूझ रहे हैं। ऐसे हालात में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा संकट पैदा होने वाला है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि बाढ़ के समय और पानी का स्तर नीचे जाने पर भी स्वास्थ्य संबंधी बड़ी समस्याएं हो सकती हैं। बाढ़ से जुड़ी कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हेल्थ एक्सपर्ट्स को हैं। इनमें सबसे ज्यादा खतरा गंदे पानी से पनपने वाली बीमारियों को लेकर है। गौरतलब है कि यमुना नदी के बाढ़ का पानी सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट और अन्य हानिकारक पदार्थों सहित विभिन्न प्रदूषकों से दूषित हो सकता है।

इस प्रदूषण से हैजा, टाइफाइड, हेपेटाइटिस ए, गैस्ट्रोएंटेराइटिस जैसी गंदे पानी से होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। दूषित बाढ़ के पानी को पीने या उसके संपर्क में आने से ये संक्रमण हो सकते हैं। जबकि बाढ़ से पानी जमा हो जाता है, जो मच्छरों का प्रजनन स्थल बन जाता है। बाढ़ के दौरान और उसके बाद मच्छरों की आबादी बढ़ने से डेंगू बुखार, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियां तेजी से फैल सकती हैं। दूषित बाढ़ के पानी के सीधे संपर्क से त्वचा संबंधी समस्याएं और संक्रमण हो सकते हैं। वहीं खुले घाव या कटे हुए घाव विशेष रूप से संक्रमण के प्रति संवेदनशील होते हैं।

लंबे समय तक गंदे पानी और अस्वच्छ स्थितियों के कारण त्वचा पर चकत्ते, जलन और फंगल संक्रमण उत्पन्न हो सकते हैं। बाढ़ से तबाह हुए लोगों और समुदायों के लिए दर्दनाक अनुभव हो सकता है। विस्थापन, संपत्ति के नुकसान और रोजमर्रा के कामों में बाधा तनाव और चिंता का कारण बन सकता है। इस लंबे समय के मनोवैज्ञानिक प्रभाव में पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी), अवसाद और अन्य मानसिक रोग शामिल हो सकते हैं। वहीं रुका हुआ पानी दुर्गंध पैदा कर सकता है और हानिकारक बैक्टीरिया और फफूंद के विकास को बढ़ावा दे सकता है।

नेहरू से लेकर मनमोहन तक भारत की भूमि पर चीन-पाकिस्तान ने किया अवैध कब्जा: भाजपा

-पीएम मोदी के शासनकाल में एक इंच जमीन नहीं गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के नक्शे और भारत की जमीन पर चीन और पाकिस्तान के कब्जे को लेकर भाजपा और कांग्रेस में ट्विटर वॉर शुरु हो गया है। कांग्रेस ने भाजपा पर अपने एनिमेशन वीडियो में भारत का गलत नक्शा दिखाने का आरोप लगाया, तब पलटवार कर भाजपा ने याद दिलाया कि किस तरह से पूर्व पीएम जवाहर लाल नेहरू के जमाने में पाकिस्तान और चीन ने भारत की भूमि पर कब्जा कर लिया। भाजपा ने आरोप भी लगाया कि नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक कांग्रेस सरकारों के अपराधों की कीमत देश चुका रहा है।

दरअसल कांग्रेस ने अपने ट्विटर अकाउंट से दो एनिमेशन वीडियो शेयर कर लिखा, भाजपा ने फिर साबित किया कि फेक न्यूज और झूठ फैलाने में उसका कोई मुकाबला नहीं। पहले अपने एनिमेशन वीडियो में भारत का गलत नक्शा दिखाया। फिर कांग्रेस के मुद्दा उठाने के बाद वीडियो में से गलत नक्शा हटा दिया। लेकिन इस गुनाह से हर हिंदुस्तानी आहत है। माफी मांगिए।

कांग्रेस के आरोप पर पलटवार कर भाजपा ने ट्विटर अकाउंट से कहा,पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में लगभग 78,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर अवैध और जबरन कब्जा कर रखा है। चीन ने भारत के केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में लगभग 38,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर अवैध कब्जा जारी रखा हुआ है। इसके अलावा, 1963 के तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते के तहत, पाकिस्तान ने अवैध रूप से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में 5,180 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र चीन को सौंप दिया। उपरोक्त सभी नेहरू की भ्रमित विदेश नीति के परिणामस्वरूप खो गए, जिन्होंने राष्ट्रीय हित पर अपनी स्वयं की छवि को प्राथमिकता दी।।

भाजपा ने कहा कि, भारत की भूमि पर विदेशी कब्जे की यह जानकारी तत्कालीन यूपीए सरकार द्वारा 22 नवंबर,2012 को राज्य सभा के पटल पर रखा गया था। भाजपा ने कहा, 2014 के बाद से भारत की एक इंच भी जमीन नहीं खोई है। भारत ने पहली बार सीमा पर किसी भी आक्रामकता का इतनी उग्रता से जवाब दिया है, जो पहले कभी नहीं

देखी गई। कांग्रेस पर निशाना साधकर भाजपा ने कहा कि जब हमारी क्षेत्रीय अखंडता से समझौता करने की बात हो, तब कांग्रेस को नेहरू के अपराधों को स्वीकार करके शुरुआत करनी चाहिए। देश आज भी नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक के कांग्रेस सरकारों के अपराधों की कीमत चुका रहा है।

ईरान की हरकतों से परेशान अमेरिका, हरमूज जलडमरूमध्य में एफ-16 लड़ाकू विमान भेजेगा

वाशिंगटन । जहाजों को ईरान द्वारा जब्त करने से बचाने के लिए अमेरिका सामरिक रूप से महत्वपूर्ण हरमूज जलडमरूमध्य के आसपास अपने लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल बढ़ा रहा है। वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने बताया कि पश्चिम एशिया में ईरान, रूस और सीरिया के बीच बढ़ते संबंधों को लेकर अमेरिका चिंतित है। पेंटागन में पत्रकारों से बातचीत में अधिकारी ने कहा कि अमेरिका इस सप्ताहांत खाड़ी क्षेत्र में एफ-16 लड़ाकू विमान भेजेगा। यह कदम उस समय में उठाया गया है, जब ईरान ने पिछले सप्ताह जलडमरूमध्य के पास दो तेल टैंकर को जब्त करने की कोशिश की थी और उनमें से एक पर गोलियां चलाई थीं। रक्षा अधिकारी ने बताया कि एफ-16 लड़ाकू विमान जलडमरूमध्य से गुजर रहे जहाजों को हवाई सुरक्षा मुहैया कराएंगे। अमेरिकी नौसेना के मुताबिक, दोनों मामलों में अमेरिकी नौसेना की प्रतिक्रिया के बाद ईरानी नौसैनिक जहाज पीछे हट गए और दोनों वाणिज्यिक जहाजों ने अपनी यात्रा जारी रखी। रक्षा अधिकारी ने बताया कि अमेरिका, सीरिया पर रूस के बढ़ते हवाई हमलों से निपटने के लिए कई सैन्य विकल्पों पर विचार कर रहा है। बहरहाल, उन्होंने विकल्पों की जानकारी देने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि अमेरिका कोई भी क्षेत्र नहीं छोड़ेगा और उसके विमान इस्लामिक स्टेट (आईएस) विरोधी अभियान के तहत देश के पश्चिमी हिस्से में उड़ान भरते रहने वाले हैं।

इराकी वायुसेना नहीं खरीदेगी पाकिस्तान का कंबाड जेएफ-17 थंडर लड़ाकू विमान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान से खबर आई थी कि इराकी सरकार जल्द ही पाकिस्तानी सरकार से 12 जेएफ-17 थंडर ब्लॉक-3 लड़ाकू विमानों को खरीदेगा। इसके लिए 66.4 करोड़ डॉलर की कीमत जाहिर की गई थी। लेकिन ताजा रिपोर्ट में इराकी वायुसेना ने कहा है कि इराक जेएफ-17 थंडर लड़ाकू विमान की खरीद में पाकिस्तान को शामिल नहीं करेगा। इराकी वायुसेना के सूत्रों ने कहा कि इस तरह के विमान खरीदने को लेकर कोई योजना, बातचीत, चर्चा और निश्चित रूप से कोई समझौता नहीं है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा कि यह खबर पिछले साल की है। तब रक्षा मंत्री जुमा इनाद का कार्यकाल था, लेकिन वह 27 अक्टूबर 2022 को खत्म हो चुका है। इराकी वायुसेना के हवाले से कहा गया है कि रक्षा मंत्री थाबित अल अबासी ने जेएफ-17 की खरीद के लिए पाकिस्तान को शामिल नहीं किया है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि इराक ने पाकिस्तानी कंपनी के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट किया है, जिसे जेएफ-17 ब्लॉक-3 माना जाता है। जेट की बिक्री के लिए दो साल से बातचीत चल रही थी। एक रिपोर्ट में यह कहा गया था कि इराकी एयरफोर्स जेएफ-17 या राफेल फाइटर जेट खरीद सकती है। सितंबर 2021 में पाकिस्तानी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में सबसे पहले पाकिस्तान और इराक के बीच डील का दावा किया था। हाल में यह रिपोर्ट तब आई है जब दो महीने पहले इराकी मीडिया ने कहा था कि अभी भी इराक 14 राफेल विमान खरीदने का इच्छुक है और इस लेकर 2021 से बातचीत हो रही है। रिपोर्ट में सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ के प्रवक्ता मेजर जनरल येहिया रसूल का हवाला दिया गया था। रसूल ने कहा था कि फ्रांस सहित कई देशों से आधुनिक सैन्य उपकरण खरीदे जा सकते हैं। इससे संकेत मिले थे कि इराक एक से ज्यादा देशों से लड़ाकू विमान खरीद सकता है। जेएफ-17 फाइटर जेट का निर्माण चीन और पाकिस्तान ने मिल कर किया है। पाकिस्तान ने अपने जेएफ-17 को नाइजीरिया को निर्यात किया है।

अमेरिका में 113 मिलियन लोगों के लू की चपेट में आने की आशंका

वाशिंगटन । अमेरिका में 113 मिलियन से अधिक लोग वर्तमान में लू की सलाह के अधीन हैं। देश में पूरे दक्षिण-पश्चिम से लेकर वाशिंगटन राज्य तक चेतावनी जारी की गई है। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय मौसम सेवा (एनडब्ल्यूएस) ने कहा कि आने वाले दिनों में लगभग 27 मिलियन लोगों को 43 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान का अनुभव होने का अनुमान है। फ्लोरिडा से लेकर टेक्सास, कैलिफोर्निया तक लू की चेतावनी जारी की गई थी। एनडब्ल्यूएस ने कहा कि शनिवार भी असाधारण रूप से गर्म रहेगा, कुछ क्षेत्रों में दिन का अधिकतम तापमान 46 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है, साथ ही यह भी कहा गया है कि चिलचिलाती गर्मी अगले सप्ताह तक रहने की उम्मीद है। मौसम सेवा ने कहा कि भीषण गर्मी उच्च दबाव के ऊपरी स्तर के उभार का परिणाम है, जो आम तौर पर अपने साथ गर्म तापमान लाता है। एजेंसी ने कहा कि यह इस क्षेत्र में अब तक देखी गई अपनी तरह की सबसे मजबूत प्रणालियों में से एक है। मीडिया में एनडब्ल्यूएस के हवाले से कहा कि पूरे क्षेत्र में इस संभावित ऐतिहासिक हीटवेव के जल्द ही कम होने के संकेत नहीं है। एरिजोना राज्य की राजधानी फीनिक्स अपने सबसे लंबे समय तक गर्म रहने के रिकॉर्ड को तोड़ने की ओर अग्रसर है और अगले पांच दिनों में तापमान 43 डिग्री या उससे अधिक रहने का अनुमान है। सर्वकालिक रिकॉर्ड 18 दिनों का है और शहर पहले ही 15 दिनों में 43 डिग्री तापमान देख चुका है। एनडब्ल्यूएस ने कहा कि लास वेगास अगले कुछ दिनों में अपने सर्वकालिक उच्च तापमान 47 डिग्री के बराबर पहुंच सकता है, जबकि डेथ वैली, कैलिफोर्निया पृथ्वी पर सबसे गर्म स्थानों में से एक अपने आधिकारिक सर्वकालिक उच्च तापमान 54 डिग्री को पार कर सकता है। लास वेगास में एनडब्ल्यूएस ने स्थानीय लोगों को चेतावनी दी कि यह सामान्य रेगिस्तानी गर्मी नहीं है। दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका के हिस्से पिछले सप्ताह से ही अत्यधिक गर्म तापमान से जूझ रहे हैं। जबकि पार्कों, संग्रहालयों, चिड़ियाघरों और व्यवसायों ने अ?धिक गर्मी की वजह से या तो बंद करने की घोषणा की है या घंटों में कटौती की है, अस्पतालों में भी गर्मी से संबंधित मामले देखे जा रहे हैं।

सिडनी में खालिस्तान समर्थकों ने भारतीय छात्र को पीटा

सिडनी । सिडनी के पश्चिमी उपनगर मेरीलैंड्स में खालिस्तान समर्थकों ने एक 23 वर्षीय भारतीय छात्र के साथ कथित तौर पर मारपीट की। उसे लात-घूंसे मारे और धातु के खंभे की ओर जोर से धक्का दिया गया। एक मीडिया रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार छात्र जो एक ड्राइवर के रूप में काम करता है, सुबह-सुबह काम पर जा रहा था। इस दौरान चार लोगों ने उस पर हमला कर दिया। पीड़ित छात्र ने बताया ?कि जैसे ही मैं अपनी ड्राइविंग सीट पर बैठा, खालिस्तान समर्थक अचानक सामने आ गए। उनमें से एक ने मेरे वाहन का बायीं ओर का दरवाजा खोला और मेरी बायीं आंख के नीचे लोहे की रॉड से वार किया। उसने कहा कि उनमें से दो लोग अपने फोन पर हमले की वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहे थे, जबकि चार-पांच लोग उन्हें मार रहे थे। उन्होंने कहा कि गुंडे बार-बार खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। छात्र ने कहा ?कि सब कुछ पांच मिनट के भीतर हुआ और वे यह कहते हुए चले गए कि खालिस्तान मुद्दे का विरोध करने के लिए मेरे लिए यह सबक है, अगर नहीं तो वे मुझे इस तरह और सबक देने के लिए तैयार हैं। घटना को देखने वाले राहगीरों द्वारा सतर्क किए जाने के बाद न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) पुलिस पैरामेडिक्स के साथ घटनास्थल पर पहुंची। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने एक बयान में कहा ?कि घटना के तुरंत बाद कंबरलैंड पुलिस एरिया कमांड से जुड़े अधिकारी हमले की रिपोर्ट के बाद मौके पर पहुंचे। बयान में कहा गया है ?कि 23 वर्षीय व्यक्ति को कथित तौर पर लात मारी गई, मुक्का मारा गया और खंभे की ओर बार-बार जोर से टक्कर मारी गई। सिर, पैर और बांह पर गंभीर चोटों के कारण छात्र को वेस्टमीड अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने चश्मदीद लोगों से संपर्क करने का आग्रह किया और कहा कि घटना के बारे में पूछताछ जारी है।

चीन में 25 छात्रों को जहर देने वाली शिक्षक को फांसी की सजा

बीजिंग । मध्य चीन की एक अदालत ने किंडर-गार्टन की एक महिला शिक्षक को फांसी की सजा सुनाई, ?जिसने अपने 25 छात्रों को जहर दे दिया था। घटना में एक बच्चे की मौत हो गई थी। जियाओजुओ शहर के हेनान प्रांत की नंबर 1 इंटरमीडिएट कोर्ट के बाहर चस्पा एक पोस्टर में कहा गया कि वांग युन को फांसी दी गई। इस खौफनाक घटना के खुलासे ने पूरे चीन को हिलाकर रख दिया था। इससे पहले वांग की अपील को कोर्ट ने खारिज कर दिया था। नोटिस के मुताबिक छात्रों के प्रबंधन पर एक सहकर्मी के साथ बहस के बाद 40 वर्षीय वांग ने 27 मार्च 2019 को मेंगमेंग प्री-स्कूल एजुकेशन में बच्चों को परोसे गए दलिया में विषैला सोडियम नाइट्राइट मिलाया था, जिसके लिए उसे दोषी ठहराया गया। नोटिस के मुताबिक एक बच्चे को छोड़कर अन्य छात्र जल्दी ठीक हो गए लेकिन 10 महीने के उपचार के बाद एक बीमार बच्चे के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

पेरिस, फ्रांस में बैस्टिल दिवस समारोह के दौरान एफिल टॉवर के पास आतिशबाजी हुई। फ्रांस ने शुक्रवार को फ्रांसीसी राष्ट्रीय दिवस, या बैस्टिल दिवस समारोह का आयोजन किया।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों को पीएम मोदी ने चंदन की लकड़ी से बना सितार किया भेंट

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चंदन की लकड़ी से बने संगीत वाद्ययंत्र सितार की एक प्रतिकृति उपहार में भेंट है। इसके अलावा मोदी ने मैक्रों की पत्नी ब्रिगिट मैक्रों को चंदन की लकड़ी से बने एक डिब्बे में पोचमपल्ली रेशम इकत भी भेंट किया है। अधिकारियों के मुताबिक राष्ट्रपति मैक्रों को उपहार में दी गई सितार की प्रतिकृति में ज्ञान, संगीत, कला, वाणी, बुद्धि और विद्या की देवी मानी जाने वाली सरस्वती की तस्वीरें हैं। इस सितार पर विघ्नहर्ता भगवान गणेश की आकृति भी बनी हुई है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति मैक्रों को उपहार में दिया गया सितार शुद्ध चंदन से बना है। गौरतलब है ?कि चंदन की नक्काशी की कला दक्षिणी भारत में सदियों से प्रचलित एक उत्कृष्ट और प्राचीन शिल्प है। उन्होंने बताया कि पोचमपल्ली रेशम इकत कपड़ा, जिसकी जड़ें तेलंगाना के पोचमपल्ली शहर में हैं, भारत की समृद्ध कपड़ा विरासत का एक नायाब नमूना है।

भारत, फ्रांस ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संतुलित, स्थिर व्यवस्था बनाने का संकल्प लिया

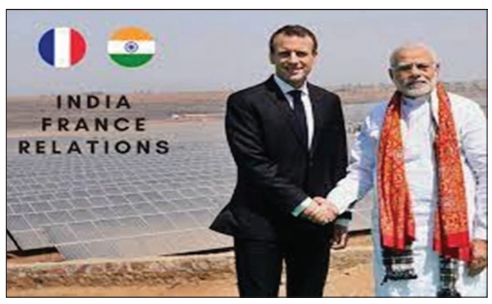

पेरिस (एजेंसी)। भारत और फ्रांस ने शुक्रवार को कहा कि वे स्वतंत्र, मुक्त, समावेशी और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अस्तित्व में विश्वास करते हैं और संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हुए इस रणनीतिक क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक एक संतुलित और स्थिर व्यवस्था कायम करने का संकल्प लेते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के बीच द्विपक्षीय बातचीत के बाद दोनों देशों ने भारत-फ्रांस हिंद-प्रशांत रूपरेखा का मसौदा जारी किया। इस रूपरेखा के मसौदे में कहा गया है कि भारत और फ्रांस रणनीतिक रूप से अहम रेजिडेंट पावर (निवासी शक्तियां) है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी वाले प्रमुख भागीदार हैं। भारत-फ्रांस हिंद-प्रशांत रूपरेखा को ऐसे समय में जारी किया गया है जब इस रणनीतिक क्षेत्र में चीन की आक्रामकता लगातार बढ़ती जा रही है। दोनों देशों ने भारत-फ्रांस हिंद-प्रशांत रूपरेखा के मसौदे में कहा, '' हिंद महासागर में भारत-फ्रांस के बीच साझेदारी हमारे द्विपक्षीय संबंधों का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गई है।

वर्ष 2018 में, भारत और फ्रांस हिंद महासागर क्षेत्र में भारत-फ्रांस सहयोग के संयुक्त रणनीतिक दृष्टिकोण पर सहमत हुए। अब हम प्रशांत क्षेत्र में अपने संयुक्त प्रयासों का विस्तार करने के लिए तैयार हैं। '' भारत और फ्रांस ने कहा कि वे स्वतंत्र, मुक्त, समावेशी, सुरक्षित और शांतिपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विश्वास करते हैं। दोनों देशों ने इस साझा बयान में कहा, '' हमारा सहयोग हमारे अपने आर्थिक और सुरक्षा संबंधी हितों की रक्षा करने पर केंद्रित है। इसका लक्ष्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा वैश्विक और निःशुल्क पहुंच सुनिश्चित करना, इस क्षेत्र में समृद्धि और स्थिरता की साझेदारी बनाना, अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन को आगे बढ़ाना, क्षेत्र में और उससे परे अन्य लोगों के साथ काम करते हुए, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हुए क्षेत्र में एक संतुलित और स्थिर व्यवस्था का निर्माण करना है।'' भारत-फ्रांस के साझा बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी का सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) का दृष्टिकोण और राष्ट्रपति मैक्रों का फ्रांस की हिंद-प्रशांत रणनीति में उल्लिखित सुरक्षा और सहयोग का दृष्टिकोण बहुत हद तक मेल खाता है। दोनों देशों ने कहा, '' हमारा सहयोग व्यापक है और इसमें रक्षा, सुरक्षा, आर्थिक, कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचा, स्थिरता और मानव-केंद्रित विकास शामिल है।

हमारा द्विपक्षीय सहयोग हमारी पारस्परिक सुरक्षा को आगे बढ़ाता है तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता का समर्थन करता है।हमारा सहयोग समुद्र तल से लेकर अंतरिक्ष तक फैला हुआ है। हम अपने आदान-प्रदान को गहरा करना जारी रखेंगे, स्थितिजन्य जागरूकता पर सहयोग करेंगे, पूरे क्षेत्र में समुद्री सहयोग को बढ़ाएंगे।'' दोनों देशों ने अपने नौसैनिक सहयोग को बढ़ाने और भारत में रक्षा औद्योगिक क्षमताओं को विकसित करने तथा संयुक्त रूप से अन्य देशों की जरूरतों का समर्थन करने का भी संकल्प लिया। भारत और फ्रांस ने इस बात पर जोर दिया कि वे अफ्रीका, हिंद महासागर क्षेत्र, दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र सहित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों में विकास के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

भारत से ब्रह्मोस मिसाइल की खरीदी कर सकता है रूस, सीईओ का दावा

मॉस्को (एजेंसी)। यदि सबकुछ ठीकठाक रहा तो रूस आनेवाले दिनों में भारत से ब्रह्मोस मिसाइल की खरीदी कर सकता है। क्योंकि भारत भी रूस को ब्रह्मोस मिसाइल बेचने पर विचार कर रहा है। बता दें कि ये लंबे समय के दो रणनीतिक सहयोगियों के बीच भूमिका में बड़ा बदलाव है, क्योंकि अभी तक भारत ही रूस से हथियार लेता था। अब दोनों देशों ने मिल कर इस महाविनाशक हथियार को विकसित किया है। इस संबन्ध में ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सीईओ और प्रबंध निदेशक अतुल दिनकर राणे के मुताबिक उनकी कंपनी हवा से लॉन्च होने वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के लिए रूस को एक संभावित बाजार के रूप में देखती है। उन्होंने दावा किया कि रूस के पास इस लेवल का कोई भी हथियार वर्तमान में नहीं है। अगर रूस ने इसे पहले खरीदा होता तो उनके पास मौजूदा स्थिति (यूक्रेन युद्ध) में उपयोग करने के लिए बहुत सी चीजें होती। उन्होंने कहा कि यूरोप में अभी जो चल रहा है उसके खत्म होने के बाद हमें रूस से कुछ ऑर्डर मिल सकते हैं, खासकर हवा से लॉन्च होने वाले ब्रह्मोस के लिए, क्यों?कि रूस ब्रह्मोस का इस्तेमाल अपनी पी-800 ओनिक्स मिसाइल की तरह कर सकता है।

गौरतलब है कि ब्रह्ममोस से पहले सोवियत समय में पी-800 का निर्माण हुआ था। पी-800 एक जहाज रोधी मिसाइल के रूप में डिजाइन किया गया है और इसका इस्तेमाल सीरिया और यूक्रेन में जमीनी टार्गेट के लिए किया गया। जानकारी के अनुसार ब्रह्मोस और ओनिक्स का प्रदर्शन लगभग समान हैं। रूस के रक्षा उद्योग में कम फंडिंग, भ्रष्टाचार, निर्माण में देरी और पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण होने वाली समस्याएं रूस को भारत से ब्रह्मोस खरीदने के लिए मजबूर कर सकती हैं। अगर रूस यूक्रेन में ब्रह्मोस का इस्तेमाल करता है तो पश्चिमी देशों के पास मिसाइल का मुकाबला करने के लिए कोई समान हथियार नहीं होगा। पश्चिम की क्रूज मिसाइल स्टॉर्म शैडो सबसोनिक डिजाइन की हैं, जो हवाई सुरक्षा को भेदने के लिए स्टील्थ और गतिशीलता का लाभ उठाती है।

कट्टरपंथियों की धमकी के चलते पाकिस्तान के मंदिरों में छाया सन्नाटा

-सीमा हैदर के जाने से खौफ में हिंदू समाज, पाक गृह मंत्री ने सुरक्षा के दिए आदेश

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में कट्टरपंथियों की धमकी के चलते यहां के हिन्दू मंदिरों में सन्नाटा पसरा हुआ है। इसकी वजह पाक नागरिक सीमा हैदर का भारत आना बताया जा रहा है। यही वजह है कि सिंध के हिंदू समुदाय को कट्टरपंथियों की धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि कट्टरपंथियों के डर से हिन्दू लोगों ने मंदिर जाना और यहां तक कि घरों से बाहर निकलना भी छोड़ दिया है। कुछ दिनों पहले उत्तरी सिंध में स्थानीय अधिकारियों को मंदिरों पर पुलिस तैनात करनी पड़ी थी। इसी बीच खबर है कि पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह खां ने पूरे मामले पर संज्ञान लिया है और सिंध के हिंदू समुदाय की सुरक्षा बढ़ाने के आदेश दिए हैं। पाकिस्तानी पत्रकार गुलाम अब्बास शाह ने अपने ट्वीट में दावा किया, सीमा हैदर मुद्दे को लेकर गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह खां ने हिंदू समुदाय के लिए खतरों पर संज्ञान लिया है। उन्होंने अधिकारियों को सिंध सरकार के अधिकारियों के साथ संपर्क करने का निर्देश दिया। सिंध के लिए पीएमएल-एन की अल्पसंख्यक विंग के अध्यक्ष खील दास कोहिस्तानी ने सनाउल्लाह से मुलाकात की। बैठक में हिंदू समुदाय की सुरक्षा बेहतर करने पर जोर दिया गया।

पत्रकार गुलाम अब्बास ने पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया कि पाकिस्तान ने भारत से सीमा हैदर के बारे में खबर की पुष्टि करने और उसकी सलामती के बारे में सूचित करने को कहा है। साथ ही तत्काल आधार पर राजनयिक पहुंच का भी अनुरोध किया गया है। भारत की ओर से जवाब का इंतजार है। सीमा हैदर मामले को लेकर सिंध का हिंदू समुदाय अब डरा हुआ है। क्योंकि स्थानीय डकैतों की तरफ से हिंदू मंदिरों पर हमले की लगातार धमकी दी जा रही हैं। वहीं सोशल मीडिया पर शेयर हो रहे वीडियो में डकैतों ने सूबे के अलग-अलग जिलों में हिंदू समुदाय को धमकाते हुए सीमा को वापस पाकिस्तान लाने का जिम्मा उठाया है।

जब चांद घर बैठे दिख रहा है तो वहां जाने की क्या जरूरत?

भारत ने लॉन्च किया चंद्रयान तो वायरल हुआ पूर्व पाकिस्तानी मंत्री का ये बयान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। चंदा मामा की कहानियां धरती की धड़कनों में चांद हमेशा से धड़कता रहा है। हम सब के बचपन में चांद से जुड़ी लोरियों और कहानियों की एक अलग जगह बनी हुई है। चांद को मुट्ठी में करने सपनों की उड़ान पर हिन्दुस्तान का चंद्रयान-3 निकल पड़ा है। पूरे देश इस गौरवपूर्ण क्षण को महसूस कर रहा है। चंद्रयान 3 पृथ्वी की कक्षा में स्थापित हो चुका है। 5 अगस्त को ये चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश कर जाएगा। इसके सफल लॉन्चिंग से बधाईयों का सिलसिला चल रहा है। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसका सोशल मीडिया पर जमकर मजार उड़ाया जा रहा है। पाकिस्तान की शर्मिंदगी का कारण वहां के पूर्व विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री फवाद चौधरी बने हैं।

बता दें कि सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हो रहा है। ये वीडियो किसी पाकिस्तानी न्यूज चैनल का लग रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि फवाद चौधरी चांद की बात करते हुए न्यूज एंकर को कहते है कि हमारी साइंस एंड टेक्नोलॉजी मिनिस्ट्री का एक प्वाइंट ऑफ व्यू है। चांद को लेकर इतना पापड़ क्यों बेलना। चांद तो सामने ही नजर आ जाता है। फवाद चौधरी की बात सुनकर ऐसा लगता है कि वो शायद भारत के शायद वो भारत के चंद्रयान मिशन को ही फिजूल बताते हुए अपने मंत्रालय का स्टैंड बता रहे थे। हालांकि ये वीडियो क्लिप पुरानी बताई जा रही है।

बता दें कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-3 को चंद्रमा की यात्रा पर भेजा। LVM-3 मिशन को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया था। LVM-3 रॉकेट के सभी तीन चरणों ने नाममात्र का प्रदर्शन किया और 100 प्रतिशत प्रक्षेपण सफलता का अपना रिकॉर्ड जारी रखा। अंतरिक्ष यान ने आंध्र प्रदेश से प्रक्षेपण के 900 सेकंड बाद चंद्रयान-3 मिशन को अंतरिक्ष में तैनात किया। इसरो अब अंतरिक्ष यान को चंद्रमा की सड़क पर उतारने के लिए आने वाले दिनों में कक्षा-उन्नयन युद्धाभ्यास करेगा।

फ्लाइट में चंदा मांगते दिख रहा पाकिस्तानी शख्स

इस्लामाबाद । पाकिस्तान इन दिनों कंगाली की हालात में हैं। लोगों के पास न ही खाना है और न उस खरीदने के लिए पैसे। शाहबाज सरकार कभी आईएमएफ से पैसे मांगती है, तब कभी प्लान बी यानी मित्र देशों के आगे हाथ फैलाती है। सिर्फ सरकार ही नहीं पाकिस्तान में अब आम आदमी भी पैसों के लिए दूसरों के आगे हाथ फैला रहा है। ऐसा ही एक वीडियो सामने आया है जिसमें एक शख्स फ्लाइट में चंदा मांगते हुए नजर आ रहा है। प्लेन में टहलता हुआ वह कहता है कि मैं कोई भिखारी नहीं हूं। वीडियो में एक शख्स प्लेन के भीतर पैसे मांगता हुआ नजर आ रहा है। वह कहता है कि मैं भिखारी नहीं हूं, मुझे पाकिस्तान में मदरसे बनवाने के लिए पैसे चाहिए, जो भी चाहे चंदा दे सकता है। पाकिस्तान में सत्ताधीशों से लेकर वरिष्ठ सैन्य अधिकारी पैसे मांगने में बिल्कुल शर्म नहीं करते हैं। अक्सर पाक पीएम शहबाज शरीफ से लेकर पिछले साल सेना प्रमुख बने जनरल असीम मुनीर को कर्ज के लिए सऊदी अरब और यूएई के आगे हाथ फैलाते हुए देखा जा चुका है।

कंगाली के कारण इस्लामिक देशों के लोग इंस्टाग्राम पर किडनी बेचने को मजबूर

तेहरान (एजेंसी)। पाकिस्तान के साथ साथ ईरान भी आर्थिक कंगाली से जूझ रहा है। यह देश भी पाकिस्तान का पड़ोसी ही है। ईरान की बर्बाद हो चुकी अर्थव्यवस्था के बीच लोगों को अपना जीवन चलाने के लिए बहुत खतरनाक कदम उठाना पड़ रहा है। ईरानी लोग पैसे की खातिर अब अपने शरीर के अंग तक बेचने को मजबूर हो गए हैं। इंस्टाग्राम पर ईरानी लोग अपनी किडनी, लीवर और अन्य अंगों को बेच रहे हैं। यही नहीं ईरान की गलियों में कई ऐसे विज्ञापन लगे हैं जिसमें ब्लड ग्रुप, उम्र और फोन नंबर तक लिखे हैं। इससे सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि ईरान की हालत बहुत ही खराब है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की राजधानी तेहरान के वलिअस्र चौक पर ये विज्ञापन लगे हुए हैं। यहां रहने वाले केयहान कहते हैं कि मैं गिनती नहीं कर सकता हूं कि कितने लोगों ने किडनी खरीदने के लिए संपर्क किया है। उन्होंने इसका विज्ञापन ट्विटर, इंस्टाग्राम और टेलीग्राम पर दिया था। यहां पर कई अंग बेचने वाले चैनल्स के 10 हजार से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं। कभी कंस्ट्रक्शन का काम करने वाले केयहान ने कहा कि उन्हें इस धंधे से अपना गुजारा करना भी मुश्किल हो गया। फर्जीवाड़े के कारण उन्हें धन भी गंवाना पड़ा।

पश्चिमी ईरान में रहने वाले केयहान ने कहा कि यह फैसला करना बहुत ही मुश्किल था लेकिन दुर्भाग्य से मेरे पास कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने बताया कि एक बार जब खरीददार मिल जाएगा और अंतिम कीमत का फैसला हो जाएगा तो उन्हें मेडिकल टेस्ट कराना होगा। उन्होंने कहा कि समाधान क्या है ? जो लोग अपनी किडन या लीवर बेच रहे हैं, उनके पास अपने जीवन को चलाने का और कोई विकल्प नहीं है। बता दें कि ईरान ही दुनिया में एकमात्र ऐसा देश है जहां पर किडनी बेचना गैरकानूनी नहीं है। साल 1980 के दशक से ही ईरान की सरकार ने 1 करोड़ रियाल फिक्स दाम रखा है लेकिन काला बाजार में इससे कहीं ज्यादा पैसा मिल रहा है। कई ऐसी संस्थाएं हैं जो लोगों को अपने अंग बेचने से रोकती हैं लेकिन वित्तीय मदद सीमित है। एक सर्वे के मुताबिक साल 2011 से लेकर अब तक ईरान में 10 फीसदी परिवार गरीबी में चले गए हैं। यहां महंगाई की दर 49 फीसदी के स्तर को भी पार कर सकती है।

संपादकीय

कुकर का अनुकरणीय स्वभाव

सभी का देखने व सोचने का तरीका अपना अलग - अलग होता है। ठीक इसी तरह हमारे जीवन में कुकर की तरह सम्यक सोच कीअनूठी बात भी है । यदि हमारी सकारात्मक सोच होगी तो उसे कोई न कोई सही से अच्छाई नजर आएगी और इसके विपरीत अगरहमारी नकारात्मक सोच होगी तो हमे बुराईयां ही बुराईयां नजर आएगी ।हमारा नजरिया सुख और खुशी तलाशने वाला होगा तो हमें वहीमिलेगा और हमारा नजरिया दुख वाला होगा तो दुख कभी भी पीछा नहीं छोड़ेगा । मन चंचल है उस पर लगाम कसना जरूरी है । प्रत्येक वस्तु अनेक धर्म वाली है ।जैसी हमारी दृष्टि होती है,वैसी सृष्टि नहीं होती है,वह एकरूप होती है ।आवश्यकता है ,जो वस्तु का शुद्धस्वरूप है,हम उसको उसी रूप में जानें, हमारा मिथ्या आग्रह न हो ,हमारे नजरिये के प्रति ।हम वस्तु के सभी गुणधर्म को इन्द्रिय चेतना केआधार पर न जान पाएं तो हमारी ज्ञानचेतना के विकास की कमी है,लेकिन हमारा आग्रह न हो कि हम जो देख रहे हैं, सोच रहे हैं,वो सहीहै और सामने वाले का चिंतन,नजरिया सही नहीं है ।हम शांतचित्त व आनन्दित ,सही नजरिये को अपनाकर और दूसरे के नजरिये को भीसही समझकर रह सकते हैं। भगवान महावीर के अनेकांत दर्शन ने सही से जीवन कि सुंदर प्रेरणा देकर हमको पुनरावृति करवाई है ।ऐसेही सजग और सजीव सोच हमारा आत्मकल्याण में सहयोगी बनती रहेगी। इन्हीं मंगल्लभावों के साथ ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

चुनाव पूर्व साख बनाने के लिए दलों के दांव

यश गोयल

राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पूर्व राजनीतिक दलों की 'नेट प्रैक्टिस' शुरू हो चुकी है। यूं तो राजस्थान में 1998 से अब तक जो विधानसभा चुनाव हुए, उनमें कांग्रेस पार्टी ने किसी भी प्रत्याशी को अपना मुख्यमंत्री घोषित करके चुनाव नहीं लड़ा। वर्ष 1998, 2003 और 2018 में जब भी कांग्रेस सत्ता में आई तब-तब विधायकों ने सीएलपी बैठक के बाद एक लाइन प्रस्ताव पारित कर पार्टी हाई कमांड (सोनिया गांधी) को अधिकृत किया कि वो मुख्यमंत्री का चयन करें। इसलिए तीन बार अशोक गहलोत को मौका मिला। विधानसभा चुनाव से पांच माह पहले कांग्रेस अध्यक्ष ने हाल ही में दिल्ली में राजस्थान के वरिष्ठ सदस्यों, मंत्रियों और विवादों में उलझे रहे सचिन पायलट की मौजूदगी में तय किया कि पार्टी को संगठित और नेताओं को एकजुट होकर चुनाव लड़ना होगा। अपने दोनों पैर के पंजों में दुर्घटना के बाद प्लास्टर बंधे और व्हीलचेयर पर बैठे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्चुअल बैठक में भाग लेकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ अपनी सहमति व्यक्त की। दिल्ली बैठक में संकेत देने की कोशिश हुई कि गहलोत और पायलट के बीच तीन साल से 'सीएम कुर्सी' के लिये चला आ रहा विवाद और मीडियाबाजी समाप्त हो गयी है। तय हुआ कि गहलोत की सफल योजनाओं के आधार पर चुनाव लड़ा जायेगा। पायलट की तीन मांगों में से दो गहलोत सरकार ने मान ली हैं। कांग्रेस में सितम्बर में चुनाव में जीतने वाले नेताओं को टिकट दे दिये जायेंगे। पार्टी हाई कमांड की बैठक बाद पायलट ने एक न्यूज एजेंसी से बातचीत में स्वीकारा कि, 'अशोक गहलोत जी मुझसे बड़े हैं, उनके पास अनुभव भी ज्यादा है। जब मैं राजस्थान कांग्रेस का अध्यक्ष (2013-18) था तो मैंने सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश की। मुझे लगता है कि आज वह मुख्यमंत्री हैं। सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश कर रहे हैं। पार्टी और जनता किसी भी व्यक्ति से ज्यादा महत्वपूर्ण है।' काश! पायलट ये बात 2020 में उपमुख्यमंत्री रहते हुए मान लेते तो आज अच्छी स्थिति में होते। विपक्ष में खड़ी भाजपा को जब से नये अध्यक्ष और चितौड़गढ़ के सांसद सीपी जोशी मिले तब से वे पूर्व पार्टी अध्यक्ष सतीश पूनिया की जनाक्रोश यात्रा को भूल कर 'विजय संकल्प' के धरने, प्रदर्शन और सड़कों पर कांग्रेस विरोधी मुद्दे उठाकर गिरफ्तारियां देने में लगे हुए हैं। पिछले दिनों तो एक ही हफ्ते में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री की विशाल जनसभाएं मोदी सरकार के नौ साल की उपलब्धियों पर बालेसर, उदयपुर, और बीकानेर में क्रमशः करा दी गयीं। भाजपा को कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा उठाये गये सरकार में फैले भ्रष्टाचार और एंटी इनकम्बेंसी के मुद्दे पर हार मिली। भाजपा ने तय किया कि वो भी गहलोत सरकार को चारों ओर से भ्रष्टाचार के मुद्दों, लॉ एंड आर्डर और मुस्लिम तुष्टीकरण पर घेरेगी। इसी को ध्येय बनाकर राजनाथ सिंह ने दावा किया कि मोदी सरकार के नौ साल के कार्यकाल में उन पर और उनके किसी मंत्री पर एक भी करप्शन का आरोप नहीं लगा है, जबकि राजस्थान में केंद्र की स्कीमों और अन्य स्थानीय मामलों के बजट पर भ्रष्टाचार की बानगी है। अमित शाह ने विपक्ष के 21 दलों के गठबंधन पर और सीधे राजस्थान मुख्यमंत्री पर आरोप मढ़ दिया कि गहलोत अपने बेटे वैभव को भी मुख्यमंत्री बनाने में व्यस्त हैं। कानून व्यवस्था पर शाह ने उदयपुर के कन्हैयालाल मर्डर केस का जिक्र करते हुए मंच से यह तक कह दिया कि केंद्रीय एजेंसी एनआईए ने आरोपियों को गिरफ्तार किया था तथा सरकार ने अभी तक इस केस के लिये एक 'विशेष कोर्ट' तक नहीं बनाई।

प्रधानमंत्री ने पिछले आठ-नौ महीनों में राजस्थान को हजारों करोड़ की विकास योजनाएं दीं। वहीं मोदी ने राजस्थान बीजेपी द्वारा आयोजित 7 पब्लिक रैलियों में भी राज्य के पूर्व, उत्तर, दक्षिण, और पश्चिम जिलों से विधानसभा चुनाव के बिगुल बजाये। बीकानेर के रैली में उन्होंने तो कांग्रेस को 'लूट की दुकान' और 'झूठ का बाजार' की संज्ञा दे दी। कहा, जो पैसा केंद्र भेजता है उस पर कांग्रेस का पंजा झपट्टा मार लेता है। भाजपा ने 2018 का राजस्थान चुनाव पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सरकार के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी के कारण और कांग्रेस द्वारा उठाए गए घोटालों और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर हारा था। जबकि भाजपा ने किसी को भी मुख्यमंत्री चेहरा नहीं बनाया था। मगर 2019 के लोकसभा चुनाव में जनता ने मोदी चेहरे पर राज्य के 25 सांसद (एक राएलपी-भाजपा गठबंधन का था) भाजपा की झोली में डाल दिये थे। बीजेपी के दिग्गज नेता कहते हैं कि ये चुनाव मोदी सरकार के नौ साल की सफल योजनाओं, गरीब कल्याण और विकास के मुद्दों पर लड़ेंगे और सीएम प्रत्याशी को प्रोजेक्ट नहीं किया जायेगा। जातियों और वर्गों को ध्यान रखते हुए उदयपुर संभाग से ब्राह्मण नेता और सांसद सीपी जोशी को भाजपा का नया अध्यक्ष बनाया और सतीश पूनिया को केंद्र चुनाव समिति में नामित किया।

राजपूत समाज को लुभाने के लिये गैर-आरएसएस व बीजेपी के विधायक राजेंद्र सिंह राठौड़ को विपक्ष का नेता बनाया गया है। केंद्रीय जलमंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अभी हाल ही में सवाई माधोपुर में ये तक कह दिया था, 'अगर आप लोग राजेंद्र सिंह का राज बना दो तो मैं 46000 करोड़ रुपये के राजस्थान के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट ईआरसीपी को तुरंत बना दूंगा।' वसुंधरा राजे प्रदेश के सभी मंदिरों में पूजा-अर्चना के साथ जनता रैली भी संबोधित कर रही हैं। राजस्थान से जुड़े रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव जब से बालासोर ट्रेन दुर्घटना में व्यस्त हुए हैं तबसे वे राज्य की किसी भी पब्लिक मीटिंग्स में नहीं आ रहे हैं। उनका नाम भी सीएम चेहरे की रेस में रहता है।

कांग्रेस ने अपने संगठन को पुनर्जीवित करते हुए 25 जिला अध्यक्ष, 21 उपाध्यक्ष, 48 महासचिव और 121 सचिव नियुक्त किये हैं। इनमें से कई विस चुनाव के टिकट के दावेदार होंगे। वहीं राज्य बीजेपी ने विजय संकल्प के साथ 29 की जो कार्यकारिणी बनाई है, उनमें अलवर सांसद बाबा बालकनाथ को भविष्य का महत्वपूर्ण चेहरा माना जा रहा है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस सरकार की ओल्ड पेंशन स्कीम ने हर राज्य की सरकार को हिलाकर रखा हुआ है। इस मसले पर हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक की सरकार विजयी हुई थी। गहलोत की 25 लाख रुपये तक की चिरंजीवी स्वास्थ्य स्कीम ने केंद्र की आयुष्मान योजना को पीछे छोड़ दिया है। कांग्रेस की महंगाई राहत की दस प्रमुख योजनाओं से अब तक 1.78 करोड़ परिवार सीधे-सीधे लाभान्वित हो चुके हैं और 7.56 करोड़ गारंटी कार्ड ले चुके हैं। बीजेपी के बड़े नेताओं ने सवाई माधोपुर में कांग्रेस की इन मुफ्त योजनाओं पर चिंतन भी किया और इनका तोड़ ढूंढ़ कर अपने चुनावी घोषणा-पत्र में कुछ नया करने में जुट गये हैं। 'आप' पार्टी ने भी राज्य के कई जिलों में ऑफिस खोलने शुरू कर दिये हैं। आप चूंकि पंजाब में सरकार में है इसलिये राजस्थान के सीमावर्ती गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर और जयपुर में सक्रिय है। राएलपी दल, जिसके वर्तमान में तीन एमएलए और एक एमपी हैं भी तीसरे दल के रूप में सक्रिय है। ट्राइबल पार्टी यूं तो गहलोत सरकार को बाहर से समर्थन दे रही है मगर चुनाव वे अपने बलबूते पर लड़ेंगे। आरएलडी पार्टी से केवल एक विधायक है जिसे राज्यमंत्री बनाया हुआ है। वर्तमान 200 विधायक वाली विस में बीजेपी के वर्तमान में 70 विधायक हैं और कांग्रेस के 108, ऐसे में बीजेपी पूर्ण बहुमत का दावा करने जा रही है और कांग्रेस मिशन-156 को उद्देश्य बनाये हुए है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

स्वच्छ स्रोतों से ऊर्जा आत्मनिर्भरता का लक्ष्य

शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों नयी दिल्ली के विज्ञान भवन में अंतर्राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें भारत समेत दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसमें भारत सरकार ने हरित हाइड्रोजन उत्पादन को बढ़ावा देने और इसे प्रौद्योगिकी, अनुप्रयोगों, नीति और विनियमन में वैश्विक रुझानों के साथ जोड़ने की कोशिश की। जिस तरह से देश को ग्रीन हाइड्रोजन का वैश्विक हब बनाने के लिए कदम उठाने शुरू किए गये हैं, उसको लेकर विदेशी एजेंसियां भी आश्वस्त हैं। दुनिया की तीन बड़ी वित्तीय विकास से जुड़ी एजेंसियों एशियन डेवलपमेंट बैंक, यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक और विश्व बैंक ने करीब 28 अरब डॉलर की मदद देने का प्रस्ताव किया है।

ग्रीन हाइड्रोजन पर आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी का कहना था कि भारत अभी तक ऊर्जा का आयात करता रहा है, लेकिन ग्रीन हाइड्रोजन के विकास के साथ उसके एक ऊर्जा निर्यातक देश बनने की पूरी संभावना है। कई देश यहां से ग्रीन हाइड्रोजन का आयात करने की इच्छा जता चुके हैं। यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक भारत का हाइड्रोजन मित्र बनेगा। भारत ने 2070 तक कार्बन नेट-ज़ीरो हासिल करने और 2047 तक ऊर्जा आत्मनिर्भरता का लक्ष्य निर्धारित किया है जिसमें ग्रीन हाइड्रोजन की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी को मद्देनजर भारत सरकार ने बीती जनवरी में ग्रीन हाइड्रोजन मिशन का ऐलान किया था। देश में मिश्रित पेट्रोल में इसके निर्माण की जमीन तैयार करने के लिए 19,744 करोड़ रुपये की सब्सिडी देने का प्रावधान है। वहीं ग्रीन हाइड्रोजन के लिए सबसे जरूरी तत्व है रिन्युएबल सेक्टर में बनी ऊर्जा। खास बात यह कि भारत अभी दुनिया में सबसे सस्ती दर पर सौर ऊर्जा बना रहा है। ऐसे में विदेशी एजेंसियां यहां ग्रीन हाइड्रोजन से जुड़े उद्योगों में दांव लगाने को तैयार हैं।

अंतर्राष्ट्रीय एनर्जी एजेंसी की रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2030 तक दुनिया में ग्रीन हाइड्रोजन की मांग 20 करोड़ टन सालाना की होगी। भारत द्वारा ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन बनाने का लक्ष्य रखा गया है। जाहिर है कि ग्रीन हाइड्रोजन की वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए उक्त लक्ष्य नाकाफी है। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन का लक्ष्य 2030 तक देश में लगभग 125 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वृद्धि के साथ, प्रतिवर्ष कम से कम 5 मिलियन मीट्रिक टन की उत्पादन क्षमता का विकास करना है। हाइड्रोजन प्राकृतिक तौर पर अन्य तत्वों के साथ संयोजन में मौजूद है। इसे पानी आदि यौगिकों से निकाला जाता है। हाइड्रोजन अणु के उत्पादन की प्रक्रिया ऊर्जा लेती है जिसे इलेक्ट्रोलिसिस कहते हैं। पानी के मामले में नवीकरणीय ऊर्जा (जैसे हवा, पानी या सौर ऊर्जा) का उपयोग करके पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विखंडन करके जिस हाइड्रोजन का उत्पादन किया जाता है उसे ही ग्रीन हाइड्रोजन कहा जाता है। ग्रीन हाइड्रोजन में ग्रे हाइड्रोजन की तुलना में काफी कम कार्बन उत्सर्जन होता है। ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग उन क्षेत्रों को डीकार्बोनाइज करने के लिए किया जा सकता है जो विद्युतीकरण के लिए कठिन हैं, जैसे स्टील और सीमेंट उत्पादन। यह जलवायु परिवर्तन को सीमित करने में मदद करता है। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन से इसमें इंसेंटिव के जरिये इलेक्ट्रोलाइजर जैसी सामग्री की लागत को कम करने में मदद मिलेगी। दरअसल, वर्तमान में प्रति किलोग्राम हाइड्रोजन की कीमत लगभग 3 अमेरिकी डॉलर है। इस मिशन से आने वाले समय में यह दाम आधे से भी कम हो जाएगा। जिससे स्थानीय कारोबारी विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे और निर्यात में बढ़ोतरी होगी। इससे आयातित पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स पर निर्भरता कम होगी और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन हो सकेगा। ग्लोबल वार्मिंग का समस्या में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का बड़ा हाथ है। इसलिए प्राकृतिक स्रोतों से बनी बिजली के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिससे भारी उद्योगों को डीकार्बोनाइज करने में मदद मिलेगी और कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा।

भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था को डीकार्बोनाइज़ करने और जलवायु लक्ष्य प्राप्त करने के लिये हरित हाइड्रोजन की क्षमता को चिन्हित किया है। देश ने हरित हाइड्रोजन के उत्पादन, उपयोग एवं निर्यात को बढ़ावा देने के लिये कई और नीतियां लागू की हैं। कंपनियों की तरफ से भारत में 35 लाख टन सालाना क्षमता की ग्रीन हाइड्रोजन लगाने की घोषणा हो चुकी है। इसमें दुनिया की कुछ दिग्गज ऊर्जा कंपनियां शामिल हैं। वर्ष 2030 तक ग्रीन हाइड्रोजन की जितनी क्षमता देश में होगी, उसका 70 प्रतिशत निर्यात किया जाएगा। हाइड्रोजन के अनेक उपयोग हैं। ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग उद्योग में किया जा सकता है और घरेलू उपकरणों को बिजली देने के लिए मौजूदा गैस पाइपलाइनों में संगृहीत किया जा सकता है।

हाइड्रोजन मिशन का मुख्य उद्देश्य भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब और स्वच्छ ऊर्जा का स्रोत बनाना है। इससे अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में लाखों रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे जिसके चलते भारत में स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत में लगने वाली लागत भी कम होगी। उम्मीद है यह मिशन देश को कार्बन के नेट जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में लेकर जायेगा।

लेखक मेवाड़ यूनिवर्सिटी में डायरेक्टर और विज्ञान विषयों के लेखक हैं।

समान नागरिक संहिता को लेकर 60 लाख से ज्यादा सुझाव और आपत्ति

(लेखक - सनत जैन)

समान नागरिक संहिता का कानून (यूसीसी) बनाने की प्रक्रिया में पहली बार भारत में बड़े पैमाने पर सुझाव और आपत्ति विधि आयोग को मिले हैं। इतने बड़े पैमाने पर इसके पहले कभी भी सुझाव और आपत्ति आने से, विधि विशेषज्ञ हैरान हैं। 2018 में जब समान नागरिक संहिता के लिए सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की गई थी। उस समय मात्र 76 हजार सुझाव आए थे। जितनी बड़ी संख्या में इस बार सुझाव लोगों ने भेजें। उसके कारण आयोग का ईमेल बॉक्स ही पूरा भर गया। सर्वर क्रैश कर गया। जिसके कारण बहुत सारी ईमेल अभी प्राप्त नहीं हो पाई हैं। पहली बार आयोग को बड़े पैमाने पर कनाडा, ब्रिटेन और खाड़ी के देशों से भी प्रस्तावित कानून के लिए आपत्ति और सुझाव प्राप्त हुए हैं। सभी धर्म के लोगों ने विशेष रूप से महिलाओं ने भी इस बार अपने सुझाव और आपत्ति आयोग को भेजे हैं। जैन, पारसी, सिख, मुसलमान, बौद्ध समुदाय, आ दिवासी संगठनों और ईसाइयों ने भी समान नागरिक संहिता कानून को लेकर तलाक,संपत्ति में हिस्सेदारी, बच्चों की कस्टडी और समान नागरिक कानून लागू होने पर जो बदलाव आएगा। उससे संबंधित सुझाव और आपत्ति बड़े पैमाने पर विधि विभाग को भेजी गई है। देश और विदेश से इतनी बड़ी संख्या में ईमेल के माध्यम से सुझाव और आपत्ति आने से, विधि आयोग का ईमेल का सर्वर डाउन हो गया। जिसके कारण विधि आयोग को 28 जुलाई तक के लिए समय बढ़ाना पड़ा। पहले 13 जुलाई तक ही सुझाव और आपत्ति भेजने के लिये निर्धा रित की थी। विधि आयोग के लिए सबसे बड़ा संकट यह है, कि लाखों की संख्या में आपत्ति और सुझाव को लेकर सुनवाई किस तरह से की जाए। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुझाव और आपत्ति की स्कूटनी करने के लिए, आयोग को एआई टूल्स के उपयोग करने पर विचार करना पड़ रहा है। सुझाव और आपत्ति को वर्गीकृत करने, सामान सुझाव और आपत्तियों को एक साथ लाने के बाद ही इनकी सुनवाई की जाएगी। उसके बाद ही समान नागरिक संहिता को बनाने के संबंध में विधि आयोग प्रस्ताव सरकार को दे पाएगा। राजनीतिक हलकों में कहा जा रहा है, वर्तमान स्थिति में इस कानून को लागू कर पाना सरकार के लिए संभव नहीं है। । चुनाव के ठीक पहले यह विवादित मुद्दा उठाकर,धार्मिक आधार पर जो धुर्वीकरण पैदा करना था। उसमें सरकार सफल हो गई है। सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है भारत के इतिहास में पहली बार 13 जुलाई तक 60 लाख से ज्यादा लोग अपने सुझाव और आपत्ति विधि आयोग को भेज चुके हैं। 28 जुलाई तक के लिए अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। ऐसा माना जा रहा है, कि करीब-करीब 10 लाख सुझाव और आपत्ति विधि आयोग के पास ओर आ सकते हैं। कानूनी रूप देने के लिए सुझाव और आपत्ति की सुनवाई करना भी जरूरी है। विधि आयोग का मानना है,कि सुनवाई की कार्रवाई में कई महीने लगेंगे। जल्दबाजी में इस कानून का प्रस्ताव तैयार कर पाना विधि आयोग के लिए संभव नहीं होगा। कुल मिलाकर सरकार ने समान नागरिक अधिकार संहिता को लागू करने के लिए जो प्रतिबद्धता दिखाई थी। गोदी मीडिया में तरह-तरह से इसकी बहस चलाई गई। सरकार की ओर से स्पष्ट प्रस्ताव पर, सुझाव और आपत्ति नहीं मंगाई गई थी। जिसके कारण विधि आयोग की मुसीबतें और भी बढ़ गई हैं। यदि प्रस्ताव जारी किया गया होता, तो लोग अपने सुझाव और आपत्ति प्रस्ताव के अनुसार करते। अभी जो सुझाव और आपत्ति प्राप्त हुई हैं। उनको विषयवार छाटने और उसके आधार पर सुनवाई करने के बाद ही कानून का प्रस्ताव बनाना होगा। इसमें समय लगना तय है। ऐसी स्थिति में समान नागरिक संहिता कानून ठंडे बस्ते में जाना तय माना जा रहा है। इसका चुनाव के लिए जो असर होना था, वह हो गया है।

अब सरकार समान नाग रिक कानून का हो-हल्ला करेगा। ले किन अध्यादेश अथवा बिल लाना सरकार के लिये संभव नहीं रहा।

लकड़ी कैसे पचा लेती है दीमक?

पेड़-पौधों में पाया जाने वाला सेलुलोज ही दीमक का भोजन होता है। इसलिए वे तमाम चीजें दीमक का भोजन होती हैं जिनमें सेलुलोज होता है। बहुत सी सूखी लकड़ी पर तुमने दीमक का घर बना देखा होगा। लकड़ियों के बने फर्नीचर, कॉपी-किताबें जैसी बहुत सी चीजों को दीमक चट कर जाती है और फिर वह सामान किसी काम का नहीं रह जाता। दीमक जो सेलुलोज भोजन के रूप में प्राप्त करती है उसे पचा पाने की क्षमता उसमें नहीं होती है। इसे पचाने के लिए दीमक को दूसरे जीव की मदद लेना पड़ती है। ये दूसरे जीव प्रोटोजोआ कहलाते हैं, जो दीमक की आँतों में रहते हैं। दोनों के बीच सहभागिता का रिश्ता होता है। दीमक लकड़ी को चबाकर निगल जाती है और आँतों में रहने वाले प्रोटॅजोअंस इस लकड़ी की लुगदी को भोजन में बदल देते हैं। इस भोजन से ही दोनों जीव अपना जीवन चलाते हैं। दीमक पर्यावरण में सफ़ाईगार की भूमिका निभाती है पर कई बार यह कीमती सामान को खराब करके नुकसानदायक भी साबित होती है। दीमक समूह में रहती है और भोजन तलाशने में एक-दूसरे की मदद भी करती है। ये चींटियों से मिलती-जुलती लगती हैं। इसलिए इन्हें 'व्हाइट एंट' भी कहा जाता है। आकार के अलावा चींटियों से इनकी कोई समानता नहीं होती।

जानो स्पेस सूट के बारे में

बच्चो, आप लोगों ने सुनीता विलियम्स के बारे में जरूर सुना होगा। सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में छह महीने तक रहने और सबसे लंबी स्पेस वॉक करने का रिकार्ड बनाया है। आप ने टेलीविजन चैनल और समाचार-पत्रों में सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें देखी होंगी। आपने देखा होगा अंतरिक्ष यात्री हमेशा एक खास तरह की ड्रेस पहनते हैं। एक मोटा सा सूट और उस पर हैलमेट और ऑक्सीजन मास्क भी लगा रहता है। अंतरिक्ष में जाने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को यहीं सूट पहनना पड़ता हैं। इसे स्पेस सूट कहते है। इस स्पेस सूट को पहने बगैर अंतरिक्ष में रहना संभव नहीं होता है। स्पेस सूट की वजह से ही अंतरिक्ष के प्रतिकूल माहौल में अंतरिक्ष यात्री जीवित रह पाते हैं। इस स्पेस सूट को तैयार करने के लिए भी वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत और शोध किया हैं। यह सूट उस कपड़े से नहीं बना होता है, जिसे हम और आप पहनते हैं। नासा के वैज्ञानिक अंतरिक्ष की स्थितियों का आँकलन करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इस सूट को तैयार करते हैं। 'हार्ड अपर टोर्सो' नामक पदार्थ का इस्तेमाल करते हुए अंतरिक्ष यात्रियों के सूट तैयार किये जाते हैं। इस सूट को पहनने के बाद हमारे शरीर का तापमान और बाहरी वातावरण से शरीर पर पड़ने वाला दबाव नियंत्रित रहता है। इसके साथ ही यह सूट इस तरह से बनाया जाता है कि यह अंतरिक्ष में मौजूद हानिकारक किरणों से हमारे शरीर को बचाने के लिए कवच का काम करे। इस सूट के अंदर ही एक लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम होता है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इस सूट के अंदर गैस और द्रव पदार्थों को रीचार्ज और डिस्चार्ज करने की व्यवस्था भी होती है। इस सूट में ही अंतरिक्ष यात्री वहाँ से एकत्रित किये गए, ठोस कणों को सुरक्षित रख सकते हैं।

पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते हैं?

ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होने के बावजूद उड़ते नहीं हैं। कहते हैं आज से ६५० लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे और धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे। लाखों सालों पहले पैंगुइन की हड्डियाँ पक्षियों की तरह ही हल्की होती थीं और वे उड़ पाते थे, पर समय के साथ उनकी हड्डियाँ भारी हो गईं और वजन बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। हालाँकि इन्हीं हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं।

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

समुद्र में पायी जाने वाली विचित्र मछलियां

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २० किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६०० वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी आँखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी आँखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

माउंट रशमोर अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित एक स्मारक है। यह 60 फुट या 18 मीटर लंबी रचना है जिसमें भूतपूर्व राष्ट्रपतियों जार्ज वाशिंगटन, थॉमस जैफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन को अंकित किया गया है।

अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित स्मारक माउंट रशमोर

यह स्मारक 1,278 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी देखरेख नेशनल पार्क सेवा द्वारा की जाती है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के आंतरिकी विभाग का ब्यूरो है। इस स्मारक को वर्ष में लगभग 2 मिलियन लोग देखने आते हैं। पर्वत पर बनाए गए इस स्मारक को लकोटा सिउक्स भी कहा जाता है क्योंकि इसमें छह राष्ट्रपतियों मूर्तियाँ उकेरी गई हैं। बाद में इसका नाम न्यूयार्क के एक जाने-माने वकील चार्ल्स ई रशमोर के नाम पर रखा गया। असल में रशमोर पर्वत में इस तरह की कलाकृति उकेरने का उद्देश्य दक्षिणी डकोटा की ब्लैक हिल्स में पर्यटकों का आकर्षण बढ़ाना था। काँग्रेस के प्रतिनिधि मंडल और राष्ट्रपति केल्विन कूलिज के बीच लंबे समझौते के बाद यह प्रोजेक्ट प्रारंभ हो पाया। मूर्तिकार गुट्जन बोर्गलम के निर्देशन में 1927 में काम शुरु हुआ और 1941 में बनकर तैयार हुआ।

दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी जाइंट एंटइटर

इस घने बाल वाले प्राणी को एंट बियर भी कहते हैं। यह अपनी लंबी थूथन से कीटों को खाता है। इसकी सूंघने की शक्ति मनुष्य से 40 गुना अधिक होती है। यह अपनी जीभ को 18 इंच तक तेजी से बाहर निकाल सकता है। जाइंट एंटइटर दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी है जो अपने विचित्र मुख-आकार, थूथन और अपनी पतली व लम्बी जीभ से केवल चींटी, दीमक और अन्य छोटे कीट खाने के लिये प्रसिद्ध है। चींटीखोरों की चार जातियाँ पाई जाती हैं : सिर-से-पूँछ तक १.८ मी (५ फुट ११ इंच) लम्बा विशाल चींटीखोर, केवल ३५ सेमी (१४ इंच) लम्बा रेशमी चींटीखोर, १.२ मी (३ फुट ११ इंच) लम्बा उत्तरी तामान्दुआ और लगभग उतना ही लम्बा दक्षिणी तामान्दुआ। चींटीखोर पिलोसा नामक जीववैज्ञानिक गण में शामिल हैं जिसमें स्लॉथ भी आते हैं, यानि स्लॉथों और चींटीखोरों का आनुवंशिक (जेनेटिक) सम्बन्ध है।

वॉल मैगजीन

गर्मी की छुट्टियां खत्म हो गई थीं। सभी बच्चों के स्कूल खुल गए थे। सरगुन आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। एक दिन असेम्बली में स्कूल की प्रिंसिपल स्वाति कपूर बोलीं, 'बच्चो, तुम सबके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। तुम सभी ने गर्मी की छुट्टियों में बहुत कुछ नया सीखा होगा। तुम सब अपने माता-पिता के साथ घूमने भी गए होंगे। मैं चाहती हूं कि तुम सब अपने अनुभवों पर आधारित एक प्रोजेक्ट बनाकर जमा करो और जिसका प्रोजेक्ट सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे इनाम दिया जाएगा।' यह सुनकर सभी बच्चे खुशी से उछल पड़े। प्रिंसिपल ने बच्चों को सिर्फ एक सप्ताह का समय दिया था। सभी बच्चे अपने-अपने तरीके से प्रोजेक्ट बनाने की तैयारियों में जुट गए। अचानक सरगुन की क्लास की सबसे चंचल और सुंदर लड़की गौरी बोली, 'हम सब तो कुछ न कुछ नया कर ही लेंगे, पर बेचारी सरगुन कैसे करेगी? इसके दाएं हाथ में तो केवल तीन।' उसकी बात पूरी होती, उससे पहले ही सरगुन की बेस्ट फ्रेंड अनिका बोली, 'गौरी, तुम्हें ऐसा नहीं बोलना चाहिए। देख लेना, सरगुन ही सबसे नई और उपयोगी वस्तु खोजेगी और तुम देखती रह जाओगी।' उसकी बात सुनकर गौरी ने मुंह चिढ़ा दिया और अपनी सीट पर बैठ गई । गौरी अक्सर सरगुन का मजाक उड़ाती थी। सरगुन के दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां थीं। उसकी दो उंगुलियां दो साल पहले एक एक्सीडेंट में बुरी तरह मसल गई थीं, इसलिए अब उसके दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां रह गई थीं। शुरुआत में सरगुन को अपना काम करने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन फिर धीरे-धीरे उसे आदत पड़ गई। अब तो उसे ऐसा महसूस ही नहीं होता था कि उसकी दो उंगलियां नहीं हैं। सभी बच्चे अपना-अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगे हुए थे। प्रिंसिपल ने बच्चों को ग्रुप में प्रोजेक्ट बनाने की अनुमति दे दी थी, इसलिए सरगुन, अनिका और कुछ अन्य छात्रों के साथ अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगी हुई थी। किसी ने भी अपने प्रोजेक्ट की खबर किसी को नहीं होने दी थी। प्रोजेक्ट जमा कराने से एक दिन पहले सभी बच्चे इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि उनका प्रोजेक्ट ही बेस्ट होगा। अगले दिन अचानक तेज बारिश होने लगी। सभी बच्चे स्कूल बड़ी मुश्किलों से अपने-अपने प्रोजेक्ट लेकर पहुंचे। स्कूल पहुंचकर सभी ने अपने-अपने प्रोजेक्ट निकाले। गौरी ने अपने सुंदर चित्रों से तैयार किए गए प्रोजेक्ट को निकाला तो यह देखकर उसके होश उड़ गए कि सारे चित्रों में न जाने कैसे पानी की बूंदें पड़ गई थीं। केवल दो-तीन चित्र ही साफ बचे थे, बाकी सभी में बड़े-बड़े धब्बे बन गए थे। यह देखकर गौरी खुद पर काबू नहीं रख पाई और रोने लगी। उसके रोने पर किसी का ध्यान नहीं गया। सभी अपने प्रोजेक्ट को सजाने-संवारने में जुटे थे।

अचानक सरगुन ने उसके कंधे पर हाथ रखा और बोली, 'गौरी, तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। तुम मेरे ग्रुप में शामिल हो जाओ । इससे तुम्हारे मार्क्स नहीं कटेंगे।' यह सुनकर गौरी को थोड़ी सांत्वना मिली। उसने अपने साफ चित्र सरगुन को देते हुए कहा, 'मेरे पास तो केवल ये हैं, तुम इन्हें अपने प्रोजेक्ट में कहीं प्रयोग कर सको तो अच्छा होगा।' सरगुन बोली, 'बिल्कुल गौरी, तुम्हारे चित्र मेरे प्रोजेक्ट को और सुंदर बना देंगे।' इसके बाद गौरी सरगुन के ग्रुप में शामिल हो गई। सभी बच्चों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट जमा करा दिए।

आखिर परिणाम का दिन भी आ गया। सभी बच्चे असेम्बली में खड़े हुए थे और बेसब्री से परिणाम का इंतजार कर रहे थे। अचानक मंच पर प्रिंसिपल आईं और बोलीं, 'सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट बनाए हैं। लेकिन पुरस्कार तो किसी एक को ही दिया जाना था, इसलिए इस बार आठवीं कक्षा के प्रोजेक्ट 'वॉल मैगजीन' को पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस प्रोजेक्ट की ग्रुप हेड सरगुन है और उसके ग्रुप में अनिका, गौरी, काव्या, तन्मय व गौरांश शामिल हैं। इस मैगजीन में सामान्य ज्ञान की बातों के साथ ही कहानी, कविता, चित्रों, पहेलियों, चुटकुलों और अन्य मनोरंजक जानकारियों को भी नए तरीके से पेश किया गया है। हमने निर्णय लिया है कि स्कूल की पत्रिका में इस सामग्री को डाला जाएगा और इन सभी बच्चों को उसके सम्पादन मंडल में शामिल किया जाएगा।' यह सुनकर सरगुन के साथ ही पूरा ग्रुप उछल पड़ा। इस समय सबसे भावुक गौरी थी। वह तुरंत उठकर सरगुन के पास गई और उसके गले लगते हुए बोली, 'सरगुन, अगर तुम मेरी मदद नहीं करती तो मैं मदद का मूल्य कैसे जान पाती? अब मैं कभी भी किसी का मजाक नहीं उड़ाऊंगी, हर किसी की मदद करूंगी।' सरगुन गौरी के हाथ में हाथ डालकर बोली, 'गौरी अभी तो स्कूल मैगजीन को ऊंचाइयों पर ले जाना है और तुम्हारे बनाए सुंदर चित्रों के बिना यह मुश्किल है।' इसके बाद पूरा ग्रुप एकसाथ अपनी जीत की खुशी मनाने लगा ।

दिल्ली में प्रॉपर्टी महंगी हुई

- 25 लाख से अधिक खरीदी पर एम फीसदी बढ़ा ट्रांसफर ड्यूटी शुल्क

नई दिल्ली । दिल्ली में संपत्ति खरीदना महंगा हो गया है। दिल्ली सरकार ने शहर भर में 25 लाख रुपए से अधिक कीमत वाली संपत्तियों पर ट्रांसफर शुल्क 1 प्रतिशत बढ़ाने की अधिसूचना जारी की है। ट्रांसफर ड्यूटी में बढ़ोतरी को दिल्ली नगर निगम ने मई 2022 में मंजूरी दे दी थी लेकिन इस संबंध में दिल्ली सरकार द्वारा 10 जुलाई, 2023 को एक अधिसूचना जारी की गई। वर्तमान में दिल्ली में संपत्ति की बिक्री और खरीद पर ट्रांसफर ड्यूटी पुरुषों के लिए 3 प्रतिशत और महिलाओं के लिए 2 प्रतिशत है। बढ़ोतरी के बाद ट्रांसफर ड्यूटी पुरुषों के लिए 4 प्रतिशत और महिलाओं के लिए 3 प्रतिशत होगी। दिल्ली सरकार के शहरी विकास विभाग ने 10 जुलाई की अधिसूचना का हवाला देते हुए राजस्व विभाग को एक पत्र जारी किया। जिसमें कहा गया है कि दिल्ली नगर निगम द्वारा अचल संपत्तियों के ट्रांसफर पर ट्रांसफर ड्यूटी को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से महिला (थर्ड जेंडर सहित) के लिए 2 प्रतिशत से बढ़ाकर 3 प्रतिशत कर दिया गया है। जबकि पुरुष और अन्य (यानी, कोई अन्य इकाई) के मामले में 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 4 प्रतिशत कर दिया गया है। इसे लागू करने के लिए अधिकारियों द्वारा निर्देशित किया गया है।

इलेक्ट्रिक कारों के बाजार में टाटा की बादशाहत को टक्कर देगी ये कंपनी

नई दिल्ली । भारतीय इलेक्ट्रिक कारों के बाजार में टाटा का फिलहाल पूरी तरह से कब्जा है। खासकर टाटा की कॉम्पैक्ट एसयूवी नेक्सॉन ईवी सेफ्टी रैंकिंग, फीचर्स और डिजाइन के कारण लोगों के बीच काफी पॉपुलर है। हालांकि अब नेक्सॉन को टक्कर देने के लिए ह्युंडई अपनी सबसे पॉपुलर एसयूवी का इलेक्ट्रिक वेरिएंट बाजार में उतारने जा रही है। इनके सामने आने के बाद से ही कयास लगाया जा रहा है कि नेक्सॉन ईवी की अब उल्टी गिनती शुरू हो सकती है। हालांकि टाटा भी जल्द ही नेक्सॉन ईवी का नया वेरिएंट बाजार में ला सकती है। दरअसल ह्युंडई क्रेटा का इलेक्ट्रिक वेरिएंट लगभग तैयार है और इसकी टेस्टिंग हो रही है। माना जा रहा है कि क्रेटा इलेक्ट्रिक का प्रोडक्शन वेरिएंट 2025 तक सामने आ जाएगा और उसके ठीक बाद इस लांच भी कर दिया जाएगा। इसके इंटीरियर की कुछ फोटो इंटरनेट पर लीक हो गई हैं। हालांकि प्रोडक्शन मॉडल के सामने आने पर इसमें कुछ बदलाव दिख सकता है। कार के इंटीरियर को काफी बदला गया है। इसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है। हालांकि इंफोटेनमेंट के मामले में आईईसी मॉडल के मुकाबले इसका स्क्रीन कुछ छोटा नजर आया है। वहीं गियर सलेक्टर की जगह ड्राइव मोड बदलने के लिए रोटरी नॉब का इस्तेमाल किया गया है। हालांकि ये क्योंकि प्रोटोटाइप मॉडल है और इसमें काफी बदलाव देखा जा सकता है। क्रेटा ईवी की स्पेसिफिकेशंस की कंपनी ने फिलहाल कोई जानकारी जारी नहीं की है लेकिन माना जा रहा है कि कार में 100 किलोवॉट की मोटर दी जा सकती है जिसे 39.2 किलोवॉट के बैटरी पैक से पावर मिलेगी। ये कोना ईवी के प्लेटफॉर्म पर ही तैयार की जाएगी। माना जा रहा है कि कार की रेंज भी काफी अच्छी होगी। क्रेटा ईवी की रेंज सिंगल चार्ज में 450 किलोमीटर से भी ज्यादा हो सकती है।

खाने के तेल का आयात जून में 39.31 फीसदी बढ़कर 13.11 लाख टन

मुंबई ।

मांग बढ़ने के कारण देश का खाने के तेल का आयात जून में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 39.31 प्रतिशत बढ़कर 13.11 लाख टन हो गया। उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने यह जानकारी दी। एसईए ने एक बयान में कहा कि जून 2022 में खाद्य तेल का आयात 9.41 लाख टन रहा था। इस साल जून में वनस्पति तेलों का कुल आयात 49 प्रतिशत बढ़कर 13.14 लाख टन हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 9.91 लाख टन था। आयात में 2,900 टन अखाद्य तेल शामिल थे जो मुख्य रूप से साबुन और ओलियो-रासायनिक उद्योगों द्वारा आयात किए जाते हैं। एसईए ने कहा कि खाद्य तेलों की घरेलू कीमतों में भारी कमी के साथ मांग लौट आई है। यह खाद्य तेलों की बेहतर घरेलू उपलब्धता के बावजूद बढ़ते आयात से स्पष्ट है। कच्चे पाम तेल का आयात जून में बढ़कर 4.66 लाख टन हो गया, जो पिछले महीने में 3.48 लाख टन था। आरबीडी पामोलीन का आयात पिछले महीने के 85,000 टन से बढ़कर 2.17 लाख टन हो गया, जो जून में पाम उत्पादों में तेज सुधार का संकेत देता है। हालांकि, आंकड़ों से पता चला कि सूरजमुखी तेल का आयात पिछले महीने के 2.95 लाख टन की तुलना में घटकर 1.90 लाख टन रह गया। एसईए ने कहा कि इंडोनेशिया से पाम तेल का आयात बढ़कर 4.76 लाख टन हो गया है, जबकि मलेशिया की हिस्सेदारी मुश्किल से 1.54 लाख टन थी। ब्राजील से सोयाबीन तेल का आयात बढ़ रहा है और जून 2023 के दौरान 1.65 लाख टन आयात होने की सूचना है और नवंबर-जून के दौरान लातिन अमेरिकी देश से सोयाबीन तेल का कुल आयात पिछले वर्ष के 7.20 लाख टन की तुलना में बढ़कर 9.73 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

7.27 लाख तक सालाना आय पर आयकर में छूटः वित्त मंत्री

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने मध्यम वर्ग के लोगों को कई कर लाभ दिए हैं। इसमें 7.27 लाख सालाना आय वाले लोगों को आयकर से छूट शामिल है। सीतारमण ने कहा कि सरकार समाज के हर व्यक्ति को साथ लेकर चल रही है। जब 2023-24 के केंद्रीय बजट में सात लाख रुपए तक की कमाई वालों के लिए आयकर छूट प्रदान करने का फैसला किया गया था, तब कुछ तबकों में इसको लेकर संदेह जताया गया था। संदेह इस बात को लेकर था कि सात लाख रुपए से कुछ अधिक की कमाई वाले का क्या होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि इसलिए, हमने यह पता लगाने के लिए कि आप प्रत्येक अतिरिक्त एक रुपए के लिए किस स्तर पर कर का भुगतान करते हैं, एक टीम के रूप में बैठकर विचार किया। उदाहरण के लिए 7.27 लाख रुपए के लिए अब आप कोई कर नहीं देते हैं। आप तभी कर देते हैं, जब कमाई इससे ऊपर होती है। उन्होंने कहा कि आपके पास 50,000 रुपए की मानक कटौती भी है। नई योजना के तहत, शिकायत यह थी कि कोई मानक कटौती नहीं थी। यह अब दी गई है। हम भुगतान दर और अनुपालन पक्ष में सरलता लाए हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 596.28 अरब डॉलर पर

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार सात जुलाई को समाप्त सप्ताह में 1.23 अरब डॉलर बढ़कर 596.28 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 1.85 अरब डॉलर बढ़कर 595.05 अरब डॉलर रहा था। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था लेकिन वैश्विक घटनाओं के कारण पैदा हुए दबावों के बीच रुपए को संभालने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने से इसमें गिरावट आई है। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, सात जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 98.9 अरब डॉलर बढ़कर 528.97 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। रिजर्व बैंक के अनुसार स्वर्ण भंडार का मूल्य 22.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 44.06 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 40 लाख डॉलर घटकर 18.23 अरब डॉलर रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा हुआ देश का मुद्रा भंडार 1.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.02 अरब डॉलर हो गया।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) लगातार दूसरे सप्ताह शेयर बाजार में बढ़त रही

मुंबई ।

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों में भारी लिवाली तथा विदेशी पूंजी प्रवाह से घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे सप्ताह तेजी रही। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक शेयर बाजारों में तेजी से भी स्थानीय बाजार को समर्थन मिला। पिछले पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले दिन सोमवार को शेयर बाजार में कारोबार की मजबूत शुरुआत हुई और सेंसेक्स 215 अंकों की बढ़त के साथ 65,495 अंकों पर खुला और 64 अंकों की बढ़त के साथ 65,344 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 61 अंक मजबूत होकर 19,392 पर खुला और 24 अंकों की मजबूती के साथ 19,355 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 254.48 अंकों की मजबूती के साथ 65,598.65 पर खुला और 273 अंकों के उछाल के साथ 65,617 पर बंद हुआ। निफ्टी 97.70 अंकों की मजबूती के साथ 19,453.60 अंकों के लेवल पर खुला और 83.50 अंकों की उछाल के साथ 19,439.40 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 141.44 अंकों की बढ़त के साथ 65,689.35 अंकों पर खुला और 223.94 अंकों की गिरावट के साथ 65,393.90 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी 34.70 चढ़कर 19,474.10 पर खुला और 55.10 अंक फिसलकर 19,384.30 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 574 अंक बढ़कर 65,968.02 पर खुला और 164.99 अंकों की गिरावट के बाद 65,558.89 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी 92 अंक बढ़कर 19,477 पर खुला और 29.45 अंकों की गिरावट के साथ 19,413.75 अंकों पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत हुई। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स में 300 अंकों के से अधिक की बढ़त दिखी और सेंसेक्स 174.75 अंकों की बढ़त के साथ 65,736.12 पर खुला और 502.01 अंकों की बढ़त के साथ 66,060.90 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 95 अंकों की मजबूती के साथ 19500 पर खुला और 150.75 अंकों की बढ़त के साथ पहली बार 19,564.50 पर बंद हुआ।

चेटजीपीटी बनाने वाली कंपनी के खिलाफ अमेरिका ने शुरू की जांच

- उपभोक्ता संरक्षण नियमों के उल्लंघन और गलत सूचनाएं देने का मामला

नई दिल्ली ।

चेटजीपीटी का विकास करने वाली कंपनी ओपनएआई के खिलाफ अमेरिका के संघीय व्यापार आयोग (एफटीसी) ने उपभोक्ता संरक्षण नियमों के उल्लंघन और गलत सूचनाएं देने के मामले में जांच शुरू कर दी है। ओपनएआई ने पिछले साल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित मॉडल चैटजीपीटी को पेश किया था। उसके बाद से ही यह चैटबोट लगातार लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि इस दौरान चैटजीपीटी पर जारी कुछ सूचनाओं को लेकर सवाल भी उठे हैं। इस बीच एफटीसी ने चैटजीपीटी की निर्माता कंपनी ओपनएआई को 20 पृष्ठों का एक नोटिस भेजकर कई मुद्दों पर जवाब देने को कहा है। इस नोटिस में एआई प्रौद्योगिकी, उत्पादों, उपभोक्ताओं, निजता की सुरक्षा के उपायों और डेटा सुरक्षा प्रावधानों के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी गई है। एफटीसी के प्रवक्ता ने ओपनएआई के खिलाफ जांच शुरू होने पर कोई टिप्पणी नहीं की। एक अमेरिकी समाचारपत्र में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक एफटीसी यह जांच कर रहा है कि ओपनएआई कहीं निजता या डेटा सुरक्षा के अनुचित या भ्रामक तौर-तरीकों या उपभोक्ताओं के हितों को नुकसान पहुंचाने वाले तरीके तो नहीं अपना रहा है।

जांच शुरू होने की रिपोर्ट सामने आने पर ओपनएआई के संस्थापक सैम आल्टमैन ने एक ट्वीट में अपनी निराशा जाहिर की। उन्होंने कहा कि इस कदम से भरोसा पैदा करने में मदद नहीं मिलेगी लेकिन कंपनी व्यापार आयोग के साथ मिलकर काम करेगी। आल्टमैन ने अपने ट्वीट में कहा कि हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि प्रौद्योगिकी सुरक्षित एवं उपभोक्ताओं की हितैषी हो और हमें यकीन है कि हम कानून का पालन करते हैं। हम उपयोगकर्ता की गोपनीयता की रक्षा करते हैं और अपनी प्रणाली को दुनिया के बारे में जानने के लिए बनाते हैं, न कि निजी व्यक्तियों के बारे में। इसके पहले मई में आल्टमैन अमेरिकी कांग्रेस के समक्ष पेश हो चुके हैं।

वोल्वो कार इंडिया ने 6 माह में 33 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की

मुंबई ।

वोल्वो कार इंडिया ने 2023 के पहले 6 महीनों में हुई सेल के आंकड़े पेश किए हैं। कंपनी ने बताया कि इस दौरान उन्होंने 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इसके अलावा 1,089 कारों की रिटेल सेल हुई है। वही वोल्वो एक्ससी 60 की सेल में 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। लोकली असेंबल एक्ससी 40 रिचार्ज की 289 इकाइयों की डिलीवरी हुई, जिससे कुल बिक्री में 27 प्रतिशत का योगदान हुआ। इस मौके पर वोल्वो कार इंडिया की प्रबंध निदेशक, ज्योति मल्होत्रा ने कहा, पहली छमाही बेहद सफल रही है, जिसमें एक्ससी 40 रिचार्ज की बिक्री मात्रा का 27 प्रतिशत हिस्सा है। 33 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हमारे शानदार गतिशीलता विकल्पों और वोल्वो ब्रांड में उनके मजबूत भरोसे के बारे में ग्राहकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया की पुष्टि करती है। पहली छमाही में प्रदर्शन एक आशाजनक संकेतक के रूप में कार्य करता है, जिससे यह विश्वास पैदा होता है कि आने वाले महीनों में और भी बेहतर परिणाम मिलेगा। अगस्त में हमारे बॉर्न इलेक्ट्रिक मॉडल सी 40 रिचार्ज के आगामी लांच के साथ, हमारा लक्ष्य अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ वर्ष को पार करना है।

अडानी को मिला धारावी को संवारने का ठेका, अब स्लम की जगह दिखेंगे फ्लैट!

- अडानी समूह धारावी पुनर्विकास परियोजना के लिए सरकार की भागीदार होगी

मुंबई । एशिया के सबसे बड़े स्लम एरिया में से एक मुंबई का धारावी अब बदलने वाला है। महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के 590 एकड़ के धारावी इलाके के निवासियों के पुनर्वास के लिए अडानी ग्रुप के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। धारावी में इस समय 9,00,000 से ज्यादा लोग निवास करते हैं। योजना की प्रतिस्पर्धी बोली पिछले साल नवंबर में अडानी प्रॉपर्टीज को मिली थी। इसमें डीएलएफ और नमन डेवलपर्स ने हिस्सा लिया था। राज्य मंत्रिमंडल ने 22 दिसंबर, 2022 को बोली प्रक्रिया के नतीजों को मंजूरी प्रदान कर दी थी। राज्य के आवास विभाग ने कहा कि अडानी समूह धारावी पुनर्विकास परियोजना के लिए सरकार की भागीदार होगी, जिसमें कम से कम 3 अरब डॉलर का निवेश शामिल है। यह आदेश आवास विभाग ने जारी किया है और अन्य सभी सरकारी विभागों को एक सप्ताह के भीतर अपना आदेश जारी करने का निर्देश दिया गया है। इसके बाद महाराष्ट्र सरकार आवंटन पत्र जारी करेगी ताकि अडानी ग्रुप धन जुटा सके और परियोजना शुरू कर सके। बीते वर्ष नवंबर में अदाणी प्रॉपर्टीज ने 5,069 करोड़ रुपए की निवेश की पेशकश कर 259 हेक्टेयर में फैली स्लम कॉलोनी के पुनर्विकास का सौदा हासिल किया था। मध्य मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स के समीप इस परियोजना में 20 हजार करोड़ रुपए के पुनर्विकास हो सकता है। यह एशिया का सबसे बड़ा स्लम है। इस प्रोजेक्ट की योजना दो दशक पहले बनाई गई थी। 2.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले 6.5 लाख झुग्गीवासियों के पुनर्वास के लिए परियोजना की कुल समयसीमा 7 साल है। यहां करीब 9 लाख की आबादी है और 13,000 छोटे धंधे हैं। अदाणी कंपनी को परियोजना को पूरा करने के लिए एक विशेष आशय साधन (एसपीवी) बनानी होगी। साथ ही सरकार द्वारा निवेश की क्रमबद्ध समयरेखा भी निर्धारित की गई है। कंपनी को इमारतों के निर्माण के दौरान सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के सभी घटकों का ध्यान रखना होगा। इस प्रोजेक्ट को आरंभ करने के लिए एसपीवी के पास 500 करोड़ रुपए का कोष होगा, जिसमें 100 करोड़ रुपए के निवेश के लिए महाराष्ट्र सरकार के पास 20 फीसदी हिस्सेदारी होगी और अदानी प्रॉपर्टीज़ के पास 400 करोड़ रुपए के निवेश के साथ कंपनी की बाकी हिस्सेदारी होगी।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर भारतीय तेल कंपनियों द्वारा पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपडेट की जाती हैं। देश में एक साल से अधिक समय से तेल की कीमतें स्थिर हैं, लेकिन राज्य स्तर पर लगने वाले टैक्स के कारण विभिन्न शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अलग अलग होती हैं। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन, वैट और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसकी कीमत मूल भाव से लगभग दोगुना हो जाती है। यही कारण है कि पेट्रोल और डीजल हमें इतना महंगा खरीदना पड़ता है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

जून में निर्यात घटकर तीन साल के निचले स्तर 32.97 अरब डॉलर पर

- एक साल पहले की समान अवधि में निर्यात 42.28 अरब डॉलर रहा था

नई दिल्ली ।

अमेरिका और यूरोप समेत तमाम वैश्विक बाजारों में मांग कमजोर पड़ने से जून में देश का निर्यात 22 प्रतिशत घटकर 32.97 अरब डॉलर पर आ गया जो पिछले तीन वर्षों का सबसे निचला स्तर है। वाणिज्य मंत्रालय ने जून महीने के आयात-निर्यात आंकड़े जारी किया। एक साल पहले की समान अवधि में निर्यात 42.28 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के अनुसार जून में देश का आयात भी 17.48 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 53.10 अरब डॉलर पर आ गया। आयात और निर्यात दोनों में गिरावट आने से देश का व्यापार घाटा भी पिछले महीने कम होकर 20.3 अरब डॉलर पर आ गया जबकि जून, 2022 में यह 22.07 अरब डॉलर रहा था। इसके पहले मई, 2020 में देश के निर्यात में 36.47 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई थी। उस समय सारी दुनिया कोविड-19 महामारी की पहली लहर से जूझ रही थी। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने इन आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि व्यापार क्षेत्र में वृद्धि वैश्विक परिस्थितियों पर निर्भर करती है। उन्होंने विश्व व्यापार संगठन के विश्व व्यापार में सुस्ती आने के अनुमानों का जिक्र करते हुए कहा कि वह डर अब हकीकत बनता हुआ नजर आ रहा है। व्यापार वृद्धि में गिरावट की वजह बताते हुए बर्थवाल ने कहा कि अमेरिका और यूरोप सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती आने के साथ मुद्रा स्फीति से जुड़े दबाव भी देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने आर्थिक सुस्ती के लिए अमीर देशों की मौद्रिक नीतियों में आई सख्ती को भी जिम्मेदार बताते हुए कहा कि इससे विनिर्माण और कारोबारी गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। वाणिज्य सचिव ने कहा कि निर्यात संवर्धन परिषदों को आने वाले महीनों में मांग बढ़ने की उम्मीद है। ऐसी स्थिति में जुलाई से निर्यात मांग बढ़नी चाहिए। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जून के दौरान निर्यात कुल 15.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.68 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान देश का आयात भी कुल 12.67 प्रतिशत कम होकर 160.28 अरब डॉलर पर आ गया।

चीन की बीवायडी भारत में बैटरी बनाने 1 अरब डॉलर का करेगी निवेशः रिपोर्ट

- बीवायडी और मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर इलेक्ट्रिक कार बनाने मिलकर काम करेंगीं

नई दिल्ली ।

चीन की बीवायडी कंपनी भारत में इलेक्ट्रिक कार और बैटरी बनाने के लिए 1 अरब डॉलर का निवेश करना चाहती है। वे ऐसा करने के लिए भारत की एक कंपनी के साथ काम करना चाहते हैं।

चीन की कंपनी बीवायडी और भारत की मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी इलेक्ट्रिक कार बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहती हैं। उन्होंने भारतीय नियामकों को साझेदारी बनाने की अनुमति देने का अनुरोध भेजा है। यह जानकारी निजी है, इसलिए इसे साझा करने वाले लोग नहीं चाहते कि उनके नाम का उल्लेख किया जाए। भविष्य में बीवायडी भारत में कई अलग-अलग तरह की इलेक्ट्रिक कारें बनाना चाहती है।

इसमें हैचबैक जैसी छोटी कारें और यहां तक कि फैंसी लक्जरी कारें भी शामिल हैं। बीवायडी ने अभी तक कॉमेंट का जवाब नहीं दिया है। उन्होंने पहले ही कहा था कि वे भारत में कार बनाना शुरू करना चाहते हैं। भारत अब दुनिया में कारों का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। भारत सरकार के मंत्रालयों ने अभी तक कॉमेंट का जवाब नहीं दिया है। बीवायडी दुनिया भर में तेजी से विकास करना चाहता है और टेस्ला के साथ प्रतिस्पर्धा करना चाहता है, जो वर्तमान में इलेक्ट्रिक कार बेचने में अग्रणी है। यदि भारत में बीवायडी के निवेश को अनुमति दी जाती है, तो इसका मतलब यह होगा कि संयुक्त राज्य अमेरिका को छोड़कर दुनिया भर के सभी महत्वपूर्ण कार बाजारों में उनकी उपस्थिति होगी।

टेस्ला ने पिछले साल बाजार में प्रवेश करने के बारे में भारत सरकार के साथ चर्चा करना बंद कर दी थी क्योंकि उनकी आयातित कारों के लिए भारत सरकार ने टैक्स कम नहीं किया था। दूसरी ओर बीवायडी पहले ही भारत में 200 मिलियन डॉलर का निवेश कर चुका है। वे यहां कंपनियों को एटीटीओ 3 और ई6 नाम के दो इलेक्ट्रिक वाहन बेचते हैं।

उनकी इस वर्ष सील नाम की एक फैंसी इलेक्ट्रिक कार जारी करने की भी योजना है।

भारत ने पहले टेस्ट में ही वेस्टइंडीज को पारी और 141 रनों से हराया

-रोहित की कप्तानी में जीती टीम इंडिया, अश्विन के सत्ते से 3 दिन में हुआ खेल खत्म

रोसेउ (एजेंसी)। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पारी 141 रनों से जीत ली है। गौरतलब है कि आधी रात को रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम ने वेस्टइंडीज को पहल पारी में ही हरा दिया है। बताया जा रहा है कि यह एशिया के बाहर भारत की पारी और रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले यशस्वी जायसवाल डेब्यू टेस्ट में 150 रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बन गए जबकि विराट कोहली के अर्धशतक के साथ भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन पहली पारी में 5 विकेट पर 421 रन पर घोषित करके मेजबान टीम को 130 रनों पर आउट कर दिया था। क्रिकेट के जानकारी बता रहे हैं कि एशिया के बाहर की यह सबसे बड़ी जीत है। इस जीत के हीरो रहे अश्विन ने 7 विकेट चटकाते हुए दूसरी पारी में भी फाइव विकेट हॉल अपने नाम किया। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही और दसवें ओवर में टी चंद्रपॉल को जडेजा ने पगबाधा आउट कर दिया जब स्कोर बोर्ड पर आठ रन टंगे थे। कप्तान ब्रेथवेट (सात) को रविचंद्रन अश्विन ने रहाणे के हाथों दौड़ाया। हालांकि तीसरे सत्र में टर्न लेती पिच पर अश्विन और भी खतरनाक हो गए। उन्होंने निरंतर अंतराल पर विकेट चटकाए और यही वजह है कि एशिया के बाहर भारत की पारी और रनों के लिहाज से यह सबसे बड़ी जीत हुई।

मैच में जहां अश्विन ने ब्लैकवुड को 5 रनों पर एलबीडब्ल्यू किया तो रेयमॉन रेइफर को 11 रनों के निजी स्कोर पर जडेजा ने पवेलियन भेजा। इसके बाद देखते ही देखते 130 रनों पर मेजबान टीम ढेर हो गई। पहली पारी में 5 विकेट लेने वाले अश्विन के नाम दूसरी पारी में 7 विकेट रहे। यानी उन्होंने मैच में कुल 12 विकेट अपनी झोली में डाले, जबकि दो विकेट जडेजा और एक विकेट सिराज के खाते में गए। वेस्टइंडीज के पहली पारी के 150 रन के जवाब में भारत ने पांच विकेट पर 421 रन के स्कोर पर पारी घोषित करके 271 रन की बढ़त ले ली। गौरतलब है कि कल के स्कोर दो विकेट पर 312 रन से आगे खेलते हुए भारत ने तीसरे दिन सुबह के सत्र में 29 ओवर में 88 रन बनाए जबकि जायसवाल (171) और अजिंक्य रहाणे(तीन) के विकेट गंवाए।

धीमी पिच काफी टर्न ले रही थी, और इस पर भारतीय बल्लेबाजों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। अपने शुरुआती टेस्ट में शतक लगाने वाले जायसवाल ने जैसन होल्डर को स्ट्रेट ड्राइव लगाकर शुरुआत की। होल्डर के साथ बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वारिकन ने गेंदबाजी की शुरुआत की और कोहली को उन्हें खेलने में काफी दिक्कत आई। कोहली को 40 के स्कोर पर जीवनदान मिला जब कैरेबियाई कप्तान क्रेग ब्रेथवेट ने उनका कैच छोड़ा। कोहली ने वारिकन की गेंद पर ऑफ साइड में खेला लेकिन ब्रेथवेट ने कैच लपकने के प्रयास में गेंद को जमीन से छुआ दिया। दूसरी ओर जायसवाल ने छक्का लगाया।

वह शिखर धवन (187) और रोहित शर्मा(177) के बाद पदार्पण पर 150 रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए।

अमेरिकी ओपन: लक्ष्य सेमीफाइनल में, सिंधू का सफर खत्म

वशिंगटन (एजेंसी)। हाल ही में संपन्न कनाडा ओपन के विजेता और भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन हमवतन शंकर मुथुसामी को हरा कर अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर गये हैं। शुक्रवार को खेले गये सेमीफाइनल में लक्ष्य का सामना चीनी शटलर ली शि फेंग से होगा। लक्ष्य ने चेन्नई के युवा शटलर शंकर को आसान मुकाबले में 21-10, 21-17 से मात दी। करीब 38 मिनट तक चले मैच में शंकर कभी भी लक्ष्य के सामने टिकते दिखाई नहीं दिए।

उधर, महिला एकल में पीवी सिंधू को एक बार फिर महत्वपूर्ण मोड़ पर हार का सामना करना पड़ा। वर्ल्ड नंबर 12 सिंधू को चीन की गाओ फांस जि ने 22-20, 21-13 से हराया। सिंधू को चीनी बाला ने शुरू से ही परेशान किया। पहले गेम में सिंधू ने हालांकि कडी टक्कर दी मगर दूसरे गेम में वह प्रतिद्वंद्वी के सामने थकी नजर आयी जिसका भरपूर फायदा उठाते हुये फांस जि ने उन्हे उबरने का मौका नहीं दिया और अंतिम चार में अपनी जगह बना ली।

अल्काराज और जोकोविच आज विंबलडन फाइनल में आमने-सामने होंगे

लंदन । कार्लोस अल्काराज और नोवाक जोकोविच रविवार को विंबलडन फाइनल में आमने-सामने होंगे और ग्रास-कोर्ट मेजर में 2023 चैंपियन का फैसला होगा। दोनों ऑल इंग्लैंड क्लब में दोहरी प्रेरणा के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे, इस जोड़ी यह तीसरा एटीपी करियर मुकाबला होगा और साथ ही विश्व नंबर 1 की रैंकिंग दांव पर रहेगी। यह एटीपी रैंकिंग के शीर्ष पर यो-यो वर्ष में एक और रोमांचक अध्याय होगा। 2023 में अल्काराज और जोकोविच के बीच नंबर 1 की स्थिति पहले ही छह बार बदल चुकी है, जो 2018 (सात) के बाद से एक सीजन में सबसे अधिक है, स्पैनियार्ड ने हाल ही में द क्वीन्स में अपना पहला ग्रास-कोर्ट एटीपी टूर खिताब जीतने के बाद शीर्ष स्थान हासिल किया है। 20 वर्षीय अल्काराज वर्तमान में एटीपी लाइव रैंकिंग में जोकोविच से 80 अंकों से आगे हैं। यह दूसरी बार होगा जब वह किसी बड़े फाइनल में भाग लेंगे, यह जानते हुए कि जीत उन्हें विश्व नंबर 1 की गारंटी भी देगी। वह पिछले सितंबर में 2022 यूएस ओपन चैंपियनशिप मैच में कैस्पर रूड को हराकर पहली बार टेनिस रैंकिंग के शीर्ष पर पहुंचे। दूसरी ओर, अगर जोकोविच विंबलडन में लगातार पांचवें साल जीतते हैं, तब वह सोमवार को एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर रहते हुए अपने रिकॉर्ड 390वें सप्ताह की शुरुआत करने वाले हैं। अल्काराज इस सप्ताह विश्व नंबर 1 पर अपना 28वां सप्ताह बिता रहे हैं। यह आंकड़ा उन्हें सर्वकालिक सूची में 16वें स्थान पर रखता है, और मैट्स विलेंडर, एंडी रोडिक और बोरिस बेकर सहित एटीपी के महान खिलाड़ियों से आगे है।

एशिया कप 2023 पर फिर से अड़ा पाकिस्तान, बारिश को बनाया हथियार; की यह मांग

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) रविवार को दुबई में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक में पाकिस्तान में एशिया कप के 4 से अधिक मैचों के आयोजन की मांग करेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और पीसीबी सहित सभी हितधारकों ने एशिया कप के लिए 'हाइब्रिड मॉडल' स्वीकार कर लिया था जिसके बाद एसीसी ने घोषणा की थी कि 31 अगस्त से 17 सितंबर के बीच खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के चार मैच पाकिस्तान में जबकि नौ मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे। 'हाइब्रिड मॉडल' का प्रस्ताव इसलिए रखा गया क्योंकि बीसीसीआई ने स्पष्ट कर दिया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों को देखते हुए वह अपनी टीम को पाकिस्तान नहीं भेजेगा। पीसीबी क्रिकेट समिति के नए अध्यक्ष जका अशरफ ने हालांकि इस सप्ताह के शुरू में आईसीसी बैठक के लिए डरबन में मौजूद एसीसी सदस्य बोर्ड के अधिकारियों के सामने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए थे। जब एशिया कप की तिथियों की घोषणा की गई तब अशरफ इस पद पर नहीं थे।

हरमनप्रीत कौर को एकदिवसीय मुकाबले के लिए बेहतर विकेट मिलने की उम्मीद

बेंगलुरु (एजेंसी)। मीरपुर। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर को उम्मीद है कि बांग्लादेश के खिलाफ रविवार से यहां शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला बल्लेबाजी के लिए बेहतर विकेट पर खेली जाएगी। भारत ने टी20 श्रृंखला 2-1 से जीती लेकिन शेरे बांग्ला राष्ट्रीय स्टेडियम की धीमी पिच पर बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। भारतीय टीम ने दूसरे और तीसरे मैच में क्रमशः 95 और 102 रन बनाए जबकि बांग्लादेश ने पहले मैच में 114 रन बनाए थे। हरमनप्रीत ने कहा कि वनडे टी20 की तुलना में अलग तरह का खेल है और उसमें बल्लेबाजों को मुश्किल परिस्थितियों में अच्छा स्कोर बनाने के लिए धैर्य बरतना होता है।

हरमनप्रीत ने पहले वनडे की पूर्व संध्या पर कहा,'' हम जहां भी जाते हैं वहां अच्छे और दोनों टीम के लिए अनुकूल विकेट पर खेलना चाहते हैं लेकिन जितना मुझे पता है कल फिर से हमें उसी पिच पर खेलना होगा। उम्मीद है कि अंतिम दो मैचों में हमें बल्लेबाजी के लिए बेहतर विकेट मिलेगा।'' उन्होंने कहा,'' एशियाई परिस्थितियों में विकेट धीमा हो सकता है। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हमें रन बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी और हम इसके लिए तैयार हैं।'' बांग्लादेश श्रृंखला जीत सकती थी लेकिन दूसरे टी20 मैच में उसकी टीम 96 रन के लक्ष्य तक भी नहीं पहुंच पाई थी। बांग्लादेश ने तीसरे मैच में जीत दर्ज की जिससे उसकी टीम का मनोबल बढ़ा होगा।

हमेशा कुछ न कुछ सीखने के लिए तैयार रहते हैं अश्विन : सबा करीम

नई दिल्ली । पूर्व विकेटकीपर सबा करीम ने अश्विन के प्रयासों की प्रशंसा की है। गौरतलब है कि भारतीय क्रिकेट टीम ने डोमिनिका में खेले गए पहले टेस्ट के तीसरे दिन वेस्टइंडीज पर एक पारी और 141 रन की शानदार जीत दर्ज की। इस पर भारत के पूर्व विकेटकीपर सबा करीम, जो अब जिओजिनेमा पर बतौर एक्सपर्ट काम कर रहे हैं, ने अश्विन के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अश्विन हमेशा सीखने के लिए तैयार रहते हैं और यही बात इस खिलाड़ी को दूसरों से अलग करती। यह उनकी एक उल्लेखनीय और अनुकरणीय विशेषता है। इस मैच में भी वह बल्लेबाजों की कमजोरी को तुरंत भांपने में सक्षम थे और फिर उन्हें अपनी फिरकी में फंसाने कोशिश करते दिखे। उन्हें रणनीति के अनुसार एंगल बदलते हुए देख सकते थे। अश्विन एक दशक से अधिक समय से अंतरराष्ट्रीय सर्किट में सक्रिय हैं और करीम अपने खेल में नए आयाम लाने की चाह से रोमांचित हैं। उन्होंने कहा एक ऑफ स्पिन गेंदबाज के रूप में वह अपने शस्त्रागार में कई नई चीजें जोड़ते रहते हैं और मुझे लगता है कि युवा स्पिनरों के लिए उनसे सीखने के लिए बहुत कुछ है। करीम ने कहा कि अश्विन उस टीम का हिस्सा नहीं थे जिसने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेला था। अन्य पूर्व भारतीय क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा का मानना है कि अश्विन ने अपने परफॉर्मेंस पर कहा कि उन्हें टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में होना चाहिए था। उन्होंने कहा, जब चैंपियन खिलाड़ियों को वह सब नहीं दिया जाता जो वे चाहते या जिसके वे हकदार हैं तो वे इसे लेकर अपनी भावना को अलग तरीके से प्रकट करते हैं।

आईपीएल स्टार रिंकू सिंह की बदली जिंदगी...टीम इंडिया की जर्सी पहनी

-आखिरकर.....रिंकू को मेहनत का फल मिल गया

मुंबई (एजेंसी)। 23 सितंबर से शुरू होने जा रहे एशियाई खेलों के लिए बीसीसीआई ने भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया। 15 सदस्यीय टीम में पहली बार आईपीएल स्टार रिंकू सिंह को जगह मिली है। यूपी के अलीगढ़ के रहने वाले रिंकू एक साधारण परिवार से आते हैं। बचपन में गरीबी देखने वाले रिंकू सिंह की जिंदगी आईपीएल ने बदली। कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए आईपीएल 2023 में बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कई मैच विनिंग पारियां खेली थी, जिसके बाद से ही उन्हें टीम इंडिया में शामिल करने की मांग उठने लगी थी। एक ओवर में पांच छक्के मारने वाले रिंकू को आखिरकार उनकी मेहनत का फल मिल गया।

टीम इंडिया में चुनने के बाद रिंकू ने भारत की ब्लू जर्सी में केकेआर की पोस्ट शेयर की है। आईपीएल 2022 में कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए सात मैच में 149.53 की स्ट्राइक रेट से 174 रन बनाने के बाद दुनिया की नजर इस युवा तुर्क पर पड़ी। इसके बाद रिंकू ने पिछले सीजन के 14 मैच में 149.53 की स्ट्राइक रेट से 474 रन बनाए, जिसमें चार अर्धशतक शामिल थे। इतना ही नहीं मुश्किल हालातों में गुजरात टाइटंस के गेंदबाज यश दयाल को आखिरी ओवर में एक ओवर में लगातार पांच छक्के लगाते हुए टी-20 टूर्नामेंट के इतिहास की यादगार जीत दिलाई थी। वह पूरे सीजन में नाइटराइडर्स के लिए अच्छा प्रदर्शन करते रहे।

कुल मिलाकर, टी-20 में रिंकू ने 89 मैच में 1768 रन बनाए हैं, जिसमें 10 अर्धशतक शामिल हैं। उन्हें आखिरी बार दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन के लिए खेलते हुए देखा गया था, जहां उन्होंने वेस्ट जोन के खिलाफ 30 गेंदों में 40 रन बनाए थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 19वें एशियाई खेलों के लिए ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तान नियुक्त किया है। रिंकू के अलावा, कई शीर्ष आईपीएल प्रदर्शन करने वालों को राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया। गौरतलब है कि एशियाई खेलों के लिए भारत ने अपनी कम अनुभवी टीम चुनी है, क्योंकि सीनियर पुरुष टीम उसी दौरान 2023 वनडे वर्ल्ड कप के लिए व्यस्त होगी। 50 ओवर का आईसीसी टूर्नामेंट भारत में 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक खेला जाएगा।

19वें एशियाई खेलों के लिए टीम इंडिया (सीनियर पुरुष) टीम: ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, राहुल त्रिपाठी, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, अवेश खान, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, शिवम मावी, शिवम दुबे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर) शामिल है।

अनुकूलन विशेषज्ञ पैडी का लाभ टीम के लिए फायदेमंद रहेगा : कोच

नई दिल्ली ।भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन के अनुसार अनुकूलन विशेषज्ञ पैडी उपटन का साथ मिलने से उनके खिलाड़ियों को काफी लाभ होगा। कोच के अनुसार पैडी के आने से टीम को आगामी एशियाई चैम्पियंस ट्राफी और हांगझोऊ एशियाई खेलों के लिए मानसिक दबाव से निपटने में सहायता मिलेगी। पैडी उन्हें बताएंगे कि दबाव के बीच किस प्रकार अपने पर नियंत्रण रखकर मैच में वापसी की जा सकती है। हॉकी इंडिया ने हाल में पैडी से अनुबंध किया है। फुल्टन ने कहा, ''खेल में जो खिलाड़ी मानसिक रूप से मजबूत होते हैं, वे अधिक आत्मविश्वासी होने के कारण निरंतर आगे बने रहते हैं और उन्हें अधिक सफलता मिलती है।'' उन्होंने कहा, ''अगर आप लगातार विरोधी टीम की तुलना में सही चीजें करते हो तो आपको परिणाम सकारात्मक मिलते हैं। इसलिए ही अनुकूलन विशेषज्ञ को टीम से जोड़ा गया है। गौरतलब है कि भारतीय टीम तीन अगस्त से चेन्नई में शुरू होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्राफी में खेलेगी जिसके बाद उसे हांगझोऊ एशियाई खेल में हिस्सा लेगी। इससे भारतीय टीम के पास 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने का अवसर है।

डोमिनिका टेस्ट में 12 विकेट, कई शानदार रिकॉर्ड, इसके बाद भी अश्विन के साथ नांइसाफी

रोसेउ । टेस्ट में दुनिया का नंबर एक गेंदबाज, भारत के लिए टेस्ट में दूसरा सबसे सफल गेंदबाज, टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में नंबर दो पर काबिज हैं। सक्रिय टेस्ट खिलाड़ियों में विकेट लेने के मामले में टॉप-5 में शामिल है। ये हैं भारतीय टीम के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन हैं। अश्विन ने गेंद से ही नहीं, बल्ले से भी भारतीय टीम को जीत दिलाई है। टेस्ट में वह 5 शतक भी ठोक चुके हैं। बांग्लादेश के खिलाफ पिछले साल के अंत में हुआ टेस्ट कौन भूल सकता है। 2021 के सिडनी टेस्ट में अश्विन अपनी परवाह किए बिना क्रीज पर टिके रहे। अंत में भारत ने टेस्ट मैच बचा लिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ डोमिनिका टेस्ट में 12 विकेट लेकर अश्विन ने टीम इंडिया को पारी से जीत दिलाई। लेकिन इसके बाद भी कोई साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया देश में टेस्ट होगा और अश्विन को ड्रॉप कर दिया जाएगा। जब भी भारतीय टीम एशिया से बाहर खेलने जाती है, सबसे बड़ी रविचंद्रन अश्विन को बाहर करने की मांग होने लगती है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में ऐसा ही हुआ। भारतीय टीम ने प्लेइंग इलेवन में अश्विन को शामिल नहीं किया। एक महीने से ज्यादा समय तक चोटिल रहे उमेश यादव को मौका मिला। ऑस्ट्रेलिया की लाइनअप में कई बाएं हाथ के बल्लेबाज थे और पहले ही भारतीय टीम मुकाबले में पिछड़ गई। अंत में ऑस्ट्रेलिया ने मैच के साथ ही खिताब को जीत लिया। क्या पता अश्विन होते तब ट्रेविस हेड वो पारी नहीं खेल पाते और भारतीय टीम खिताब जीत जाती!

भारतीय टीम एशिया से बाहर, खासकर साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया देश जाती है, तब एक ही स्पिनर को प्लेइंग इलेवन में जगह देती है। ज्यादातर मौकों पर अश्विन को बाहर रखकर रविंद्र जडेजा को टीम में शामिल किया जाता है। तर्क यह दिया जाता है कि जडेजा अश्विन से बेहतर बल्लेबाज हैं। मान भी लिया जाए की जडेजा बेहतर बल्लेबाज हैं लेकिन गेंदबाजी का क्या। टेस्ट मैच जीतने के लिए गेंदबाजी मजबूत चाहिए क्योंकि टेस्ट जीतने के लिए आपको सबसे पहले 20 विकेट लेने होते हैं। सिडनी टेस्ट तब अश्विन ने बल्ले से ही बचाया था। भारतीय क्रिकेट से आज तक रविचंद्रन अश्विन को वह सम्मान नहीं मिला है, जिसके वह पूरे हकदार हैं। भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हो चुके अश्विन को अभी तक उपकप्तान भी नहीं बनाया गया है। इसपर तर्क दिया जाता है कि एशिया से बाहर प्लेइंग इलेवन में उनकी जगह पक्की नहीं है। पर आज तक कोई ये नहीं बता पाया क्यों उनकी टीम में जगह पक्की नहीं बोली जाती है।

लंबी कूद के एथलीट श्रीशंकर ने 2024 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया, रजत पदक जीता

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत के लंबी कूद के एथलीट मुरली श्रीशंकर ने शनिवार को एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अपने करियर के 8.37 मीटर के दूसरे सर्वश्रेष्ठ प्रयास से रजत पदक जीतकर 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। श्रीशंकर (24 वर्ष) ने अपने अंतिम राउंड की 8.37 मीटर की कूद से ओलंपिक क्वालीफिक्रेशन हासिल किया। पेरिस ओलंपिक के लिए मानक 8.27 मीटर का है और क्वालीफिक्रेशन समय एक जुलाई से शुरु हुआ। चीनी ताइपे के यु टांग लिन ने चौथे राउंड में 8.40 मीटर की कूद से स्वर्ण पदक जीता जो इस सत्र में विश्व का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास था। चार 20 किमी पैदल चाल के एथलीट आकाशदीप सिंह, विकास सिंह और परमजीत सिंह बिष्ट (पुरुष वर्ग) और प्रियंका गोस्वामी (महिला वर्ग) ने पहले ही पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन समय 10,000 मीटर, संयुक्त स्पर्धा (डेकाथलॉन और हेप्टाथलॉन), पैदल चाल और रिले 31 दिसंबर 2022 से 30 जून 2024 तक है जबकि मैराथन रेस के लिए यह समयसीमा एक नवंबर 2022 से 30 अप्रैल 2024 तक है। अन्य स्पर्धाओं के लिए क्वालीफाइंग समय एक जुलाई 2023 से 30 जून 2024 तक है। श्रीशंकर अपने दूसरे ओलंपिक में हिस्सा लेंगे। वह तोक्यो ओलंपिक में क्वालीफिकेशन राउंड में बाहर हो गये थे। राजेश रमेश, ऐश्वर्या मिश्रा, अमोज जैकब और सुभा वेंकटेशन की भारतीय मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले चौकड़ी ने तीन मिनट 14.70 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीता जबकि सर्वेश अनिल कुशारे और स्वप्ना बर्मन ने क्रमशः पुरुषों की ऊंची कूद और हेप्टाथलॉन में रजत पदक जीते। कुशारे के लिए यह पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय पदक है। उनकी पिछली सफलताओं में 2019 दक्षिण एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक शामिल है।

भारत ने अभी तक 14 पदक जीत लिए हैं जिसमें छह स्वर्ण, चार रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीतने वाले श्रीशंकर ने पिछले महीने राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैम्पियनशिप के क्वालीफिकेशन दौर के दौरान 8.41 मीटर की कूद से अगस्त में होने वाली बुडापेस्ट विश्व चैम्पियनशिप के लिए पहले ही क्वालीफाई कर लिया था। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ कूद भी रही। टीसी योहानन के 1975 चरण में पोडियम में शीर्ष पर रहने के बाद कोई भी भारतीय एशियाई चैम्पियनशिप की लंबी कूद स्पर्धा का स्वर्ण पदक नहीं जीत सका है। लंबी कूद में पदक जीतने वाले पिछले भारतीय के प्रेम कुमार थे जिन्होंने 2013 में रजत पदक जीता था। श्रीशंकर यहां स्वर्ण पदक जीतने के प्रबल दावेदार थे। वह 8.12 मीटर की तीसरी कूद से सबसे आगे चल रहे थे लेकिन चीनी ताइपे के प्रतिद्वंद्वी ने चौथे राउंड में 8.40 मीटर की कूद लगाकर बढ़त बनायी। विश्व चैम्पियनशिप की तैयारियों के लिए अमेरिका और यूरोप में ट्रेनिंग करने वाले श्रीशंकर ने अपने अंतिम प्रयास में सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया लेकिन वह स्वर्ण पदक से चूक गये।

इससे पहले भारतीय एथलीट संतोष कुमार ने पुरुष वर्ग की 400 मीटर बाधा दौड़ स्पर्धा में 49.09 सेकेंड के सर्वश्रेष्ठ समय से कांस्य पदक अपने नाम किया। संतोष ने प्रतियोगिता के चौथे दिन पुरुष वर्ग की 400 मीटर बाधा दौड़ में इस साल का भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ समय निकाला। वह स्वर्ण पदक विजेता कतर के मोहम्मद हमेमेडा बासेम (48.64 सेकेंड) और जापान के युसाकू कोडामा (48.96 सेकेंड) से पीछे रहे। इस 25 साल के एथलीट का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 49.49 सेकेंड का था जो उन्होंने पिछले साल हासिल किया था। एक अन्य भारतीय यशास पलकशा ने भी फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था लेकिन वह रेस में नहीं दौड़े। एशियाई चैम्पियनशिप में किसी भी भारतीय ने पुरुष वर्ग की 400 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक नहीं जीता है। जोसफ अब्राहिम का 2009 चरण में रजत पदक किसी भी भारतीय का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था, जिन्होंने 2007 में कांस्य पदक भी जीता था। एमपी जाबिर ने पिछले दो चरण में कांस्य पदक जीते थे।

मुख्यमंत्री ने गिरनार पर्वत की 114 करोड़ रुपए की विकास योजना को दी सैद्धांतिक स्वीकृति

गांधीनगर ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सुप्रसिद्ध पर्यटन और तीर्थ-स्थान गिरनार पर्वत के विभिन्न विकास कार्यों के लिए 114 करोड़ रुपए की विकास योजना को सैद्धांतिक स्वीकृति दी है। इन विकास कार्यों के अंतर्गत भवनाथ तलहटी का विकास तथा तलहटी से लेकर गोरखनाथ और दत्तात्रेय की चोटी तक के विकास कार्य शुरू किए जाएंगे। इतना ही नहीं, यात्राधाम पावागढ़ की तर्ज पर ही पाथ-वे को दोनों ओर 3 मीटर चौड़ा कर नए सिरे से सीढ़ियों का विस्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में शनिवार को हुई पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड की उच्च स्तरीय बैठक में उन्होंने यह सैद्धांतिक मंजूरी दी। पर्यटन मंत्री मुळूभाई बेरा की उपस्थिति में हुई इस बैठक में गिरनार पर्वत पर तलहटी से लेकर दत्तात्रेय चोटी तक सारी बुनियादी सुविधाएं तैयार करने तथा गिरनार पर पानी और बिजली की व्यवस्था करने के लिए भी इस विकास योजना के तहत सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड ने मुख्यमंत्री के समक्ष राज्य के छोटे-बड़े कुल 22 तीर्थस्थलों में कुल 48 करोड़ रुपए के खर्च से जीर्णोद्धार, मरम्मत और बुनियादी सुविधा के विकास कार्य करने का प्रस्ताव भी रखा। इस बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी प्रस्तावों को उन्होंने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अंबाजी, पावागढ़ और द्वारिका यात्राधामों के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। उन्होंने आगामी सितंबर महीने में अंबाजी धाम में होने वाले भाद्रपद पूर्णिमा के लोक मेले में संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को इस तरह का सुदृढ़ आयोजन करने के निर्देश दिए, जिससे तीर्थयात्रियों को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड से यह भी आग्रह किया कि वह यात्राधामों में स्वच्छता को बनाए रखने के लिए 'स्वच्छता में ईश्वर का वास होता है' ध्येय मंत्र के साथ सभी यात्राधामों में आने वाले तीर्थयात्रियों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित करे। इस समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव राज कुमार, मुख्यमंत्री के एडिशनल चीफ सेक्रेट्री पंकज जोशी, प्रधान सचिव श्रीमती ममता वर्मा तथा पर्यटन सचिव हरित शुक्ला एवं गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड के सचिव आर.आर. रावल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

खटोदरा पुलिस ने मेडिकल छात्रा की बचाई जान, डिप्रेशन में आकर करने जा रही थी आत्महत्या

सूरत।

शहर की खटोदरा पुलिस के समय रहते हरकत में आने से मेडिकल छात्रा की जान बच गई। पुलिस को घटनास्थल पहुंचने में अगर पांच मिनट का भी विलंब होता तो छात्रा को बचा नहीं पाती। मेडिकल की छात्रा डिप्रेशन में आकर आत्महत्या करने जा रही थी।

जानकारी के मुताबिक सूरत के नए सिविल अस्पताल के परिसर स्थित फिजियोथेरापी गर्ल्स होस्टेल में रहनेवाली छात्रा फिजियोथेरापी के पहले वर्ष में पढ़ाई कर रही है। छात्रा ने अपने वॉट्सएप स्टेट्स में अपने कुछ दोस्तों को दिखे इस प्रकार पंखे के रस्सी बंधी हुई तस्वीर रखी थी। यह तस्वीर देख देहरादून के उसके दोस्त तुरंत सूरत पुलिस कंट्रोल को घटना की जानकारी दी। कंट्रोल ने भी फौरन खटोदरा पुलिस को यह जानकारी साझा की। कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही खटोदरा पुलिस थाने में सेवारत एएसआई सुशीला चौधरी समेत पुलिस जवान रात 1 बजे नए सिविल अस्पताल स्थित फिजियोथेरापी होस्टेल पहुंच गए। जहां होस्टेल की वार्डन को घटना के बारे में बताया और छात्रा का कमरा दिखाने को कहा। वार्डन ने पुलिस को छात्रा का कमरा दिखा दिया।

कमरा भीतर से बंद था। पुलिस ने छात्रा से तुरंत कमरे का दरवाजा खोलने का कहा। लेकिन छात्रा ने पुलिस से कहा कि वह लोग लौट जाएं। काफी समझाने के बाद आखिरकार छात्रा ने कमरा खोल दिया। कमरा खुलते ही पुलिस जवान भीतर घुस गए। कमरे के पंखे पर रस्सी बंधी हुई थी और छात्रा पसीने से तरबतर थी। पूछताछ में छात्रा ने बताया कि परीक्षा को लेकर पर्याप्त तैयारी नहीं होने की वजह से वह डिप्रेशन में आ गई थी और आत्महत्या करने जा रही थी। खटोदरा पुलिस ने भरुच जिले के अंकलेश्वर निवासी युवती के पिता को तुरंत सूरत बुला लिया।

100 करोड़ की लोन की लालच में महाराष्ट्र के बिल्डर ने गंवाए 65 लाख, जांच में जुटी सूरत पुलिस

सूरत।

महाराष्ट्र के एक बिल्डर ने रु. 100 करोड़ लालच में आकर रु. 65 लाख गंवा दिए। ठगे जाने के बाद बिल्डर ने सूरत के महिधरपुरा पुलिस थाने में तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने की कवायद तेज की है। जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र के बिल्डर जगदीश मोहनलाल रु. 100 करोड़ की लोन के लिए सूरत के दिल्ली गेट स्थित एक होटल में ठहरे थे। जहां बिल्डर जगदीश से मिलने मीना गाडेकर नामक महिला पहुंची। मीना गाडेकर ने बिल्डर के दस्तावेज जांचने के बाद कहा कि 50 करोड़ रुपए की लोन मिल जाएगी। हांलाकि उसके लिए 2 प्रतिशत कमीशन के हिसाब से रु. 50 लाख मांगे। साथ ही मीना गाडेकर ने बिल्डर को फाइनांस कंपनी के मालिक मोहनिश उर्फ मनीष के साथ मुलाकात करने को कहा। इसके बाद मीना गाडेकर ने ललित रडके नाम शख्स से बिल्डर जगदीश की मुलाकात करवाई। इसी के साथ लोन के लिए बिल्डर ने सूरत के अमरोली में रहनेवाले मोहनिश से भी मुलाकात की। उस दौरान एग्रिमेन्ट के लिए बिल्डर को गोवा की होटल में बुलाया गया। जहां सुहास दूधे बैग लेकर पहुंचा। हांलाकि बैग चेक करने पर उसमें लेडिज के अंडर गारमेन्ट निकले। जिससे बिल्डर जगदीश को शक हो गया है। दूसरी ओर सुहास दूधे और मीना गाडेकर ने बिल्डर जगदीश को ईडी में केस करने की धमकी दी। जिसके बाद बिल्डर जगदीश से आरटीजीएस के जरिए रुपए भी ट्रांसफर करवा लिए। लोन की लालच में ठगे जाने का अहसास होने पर बिल्डर जगदीश ने मीना गाडेकर, सुहास दूधे और अमर पाटील के खिलाफ रु. 1.15 करोड़ की धोखाधड़ी का केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की दिशा में कार्यवाही शुरू की है।

देवभूमि द्वारका के बाद डाकोर मंदिर में भी छोटे वस्त्रों में प्रवेश पर लगा प्रतिबंध

खेडा।

देवभूमि द्वारका स्थित भगवान द्वारकाधीश मंदिर के बाद गुजरात के एक और मंदिर में छोटे वस्त्र पहनकर जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मध्य गुजरात के खेडा जिला स्थित विख्यात डाकोर भी हिन्दुओं का मुख्य तीर्थधाम है, जहां प्रति दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु भगवान रणछोड़राय भगवान के दर्शन करने आते हैं। अब डाकोर में आनेवाले श्रद्धालुओं पर बड़ा प्रतिबंध लगा दिया गया है। छोटे वस्त्र आए किसी भी श्रद्धालु को अब डाकोर के मंदिर में प्रवेश नहीं मिलेगा। इसका सूचना पटल मंदिर के बाहर भी लगा दिया गया है। डाकोर मंदिर समिति के रविन्द्रभाई उपाध्याय ने बताया कि खेडा जिले के विख्यात यात्राधाम डाकोर मंदिर ट्रस्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला किया है। इस फैसले के अनुसार महिला और पुरुषों को मंदिर में छोटे वस्त्र पहनकर आने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। बता दें कि हाल ही में देवभूमि द्वारका स्थित भगवान द्वारकाधीश के मंदिर में छोटे वस्त्र पहनकर आने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

उत्तरी गुजरात के अंबाजी मंदिर और शामलाजी में छोटे वस्त्रों में प्रवेश पर प्रतिबंध है। दरअसल पिछले कई वर्षों से युवक-युवतियां फैशनेबल दिखने के लिए छोटे वस्त्र पहनकर मंदिरों में दर्शन करने जाते हैं। ऐसे युवक-युवतियों को मंदिर में जाने से रोकने पर विवाद होता है। ऐसे विवाद से बचने के ले मंदिरों में भगवान के दर्शन के लिए ड्रेस कोड लागू करने की सिफारिश समाज की ओर से की जा रही थी। ऐसा नहीं है केवल गुजरात में ही छोटे वस्त्रों में मंदिर प्रवेश वर्जित किया गया है। देश के कई ऐसे मंदिर हैं, जहां 80 प्रतिशत जिनका शरीर ढंका होगा उन्हें ही मंदिर में प्रवेश का नियम है। मंदिर प्रबंधन श्रद्धालुओं से छोटे वस्त्र पहनकर नहीं आने का अनुरोध करता है। कई मंदिरों में अगर कोई श्रद्धालु मीनि स्कर्ट या बर्मूडा पहनकर आ जाता है तो उसके लिए पीतांबर और धोती की व्यवस्था की गई है। महिलाओं के लिए दुपट्टा की व्यवस्था की गई है।

जीरो फैटलिटी प्रोग्राम का गुजरात तक विस्तार: गुजरोसा के साथ आपातकालीन स्थितियों के लिए जीवन रक्षक कौशल में प्रशिक्षण आयोजित किया गया

गुजरात में आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाने और सड़क सुरक्षा में सुधार लाने के उद्देश्य से, सेवलाइफ फाउंडेशन (एसएलएफ) ने गुजरात रोड सेफ्टी ऑथोरिटी (गुजरोसा) के सहयोग से और लिंडे ग्रुप के सीएसआर समर्थन के साथ हाल ही में बेसिक ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट का समापन किया। (बीटीएलएस) गुजरात के सूरत और भरूच जिलों में 450 से अधिक परिवर्तन कर्मियों और सामुदायिक स्वयंसेवकों के लिए प्रशिक्षण।

यह बीटीएलएस प्रशिक्षण प्रवर्तन अधिकारियों और सामुदायिक स्वयंसेवकों को आपातकालीन स्थितियों के दौरान प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने में मदद करने के लिए आयोजित किया गया था। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 के 65 किलोमीटर लंबे सूरत-भरूच खंड पर जीरो फैटलिटी कॉरिडोर (जेडएफसी) परियोजना के एक हिस्से के रूप में शुरू की गई यह पहल, चिकित्सा आपात स्थितियों से निपटने के लिए तैयार एक लचीला और अच्छी तरह से तैयार समुदाय के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 'स्रष्ट कार्यक्रम अक्टूबर 2021 से इस खंड पर तैनात किया गया है और यह वहां इस तरह का पहला प्रशिक्षण है।

इस उद्देश्य से, 2008 से भारत में सड़कों को सुरक्षित बनाने पर काम कर रही एक गैर-लाभकारी संस्था एसएलएफ, पुलिसकर्मियों, सामुदायिक स्वयंसेवकों और छात्रों को सड़क दुर्घटना पीड़ितों की सहायता करने में कुशल बनाने के लिए प्रशिक्षण दे रही है। प्रशिक्षण में चिकित्सा सहायता आने तक पीड़ितों को स्थिर रखने और उनकी मदद करने और यदि आवश्यक हो तो उन्हें चिकित्सा सुविधा तक सुरक्षित रूप से पहुंचाने की गतिविधियाँ शामिल हैं। अस्तित्व की इस अनूठी, समुदाय-संचालित श्रृंखला के तहत, जीवनरक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (जेआरटीपी), बेसिक ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (बीटीएलएस) तकनीकों को त्वरित और कुशल चिकित्सा प्रथम-उत्तरदाताओं का एक नेटवर्क बनाने के लिए सिखाया जाता है।

इस पहल के बारे में बोलते हुए, कमिश्नर,रोड सेफ्टी, गुजरात रोड सेफ्टी ऑथोरिटी-श्री ललित पी. पडलिया ने कहा "इस पहल से सूरत और भरूच की समग्र लचीलापन और तैयारियों को मजबूत करने में मदद मिली है। अधिक प्रशिक्षित व्यक्तियों - पुलिस कर्मियों और स्वयंसेवकों दोनों - के साथ आपात स्थिति में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने में सक्षम होने से, सड़क दुर्घटना की स्थिति में जान बचाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। हम इस पहल का स्वागत करते हैं क्योंकि इस तरह के प्रशिक्षण अभ्यास सार्वजनिक सुरक्षा के प्रति सक्रिय दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने में मदद करते हैं और समुदाय में आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना भी पैदा करते हैं।

भारत में उज्बेकिस्तान के राजदूत दिलशोद अखतोव ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से की शिष्टाचार भेंट

गांधीनगर ।

भारत में उज्बेकिस्तान के राजदूत दिलशोद अखतोव ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री के साथ इस मुलाकात के दौरान उन्होंने भारत-उज्बेकिस्तान-गुजरात के संबंधों के पुल को और अधिक मजबूत करने के लिए फलदायी परामर्श किया। उन्होंने, विशेषकर 2018 में गुजरात और उज्बेकिस्तान के अंदीजान प्रदेश के बीच हुए सहयोग के करार को विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग के जरिए आगे बढ़ाने के लिए बातचीत की। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात और उज्बेकिस्तान के बीच पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), खाद्य प्रसंस्करण और नवीकरणीय ऊर्जा सहित अन्य क्षेत्रों में निवेश और व्यापार-उद्योग सहयोग के मामलों के संदर्भ में विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा आगामी जनवरी-2024 में आयोजित होने वाली वाइब्रेंट समिट में उज्बेकिस्तान की सहभागिता के लिए दिए गए निमंत्रण को स्वीकार करते हुए उज्बेकिस्तान के राजदूत ने समिट में उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ शामिल होने की तत्परता व्यक्त की। उन्होंने मुख्यमंत्री को भी गुजरात के शिष्टमंडल के साथ उज्बेकिस्तान का दौरा करने के लिए आमंत्रण दिया। बैठक के दौरान उज्बेकिस्तान के राजदूत दिलशोद अखतोव ने यह भी बताया कि उज्बेकिस्तान के अंदीजान प्रदेश के फार्मास्युटिकल जोन में गुजरात की प्रतिष्ठित फार्मा कंपनियों की बड़ी इकाइयां कार्यरत हैं। उन्होंने इस फार्मा जोन में फार्मास्युटिकल उद्योगों को दिए जाने वाले प्रोत्साहन और उदार सहायता की जानकारी भी दी। उज्बेकिस्तान के राजदूत ने मुख्यमंत्री को इस बात से भी अवगत कराया कि उनके देश के विभिन्न प्रदेशों में भारतीय-गुजराती समुदाय के लोग फार्मास्युटिकल, हॉस्पिटैलिटी और मेडिकल सहित ऑयल एंड गैस सेक्टर में काम करते हैं। इस शिष्टाचार मुलाकात बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव पंकज जोषी, उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एस.जे. हैदर सहित उद्योग आयुक्त एवं औद्योगिक विस्तार ब्यूरो के प्रबंध निदेशक और कई अधिकारी उपस्थित रहे।

मैक्सविजन आई हॉस्पिटल ने जैविक विस्तार और अकार्बनिक विकास को चलाने के लिए क्वाड्रिया से 1300 करोड़ रुपये तक के निवेश की घोषणा की

हैद्राबाद ।

एशिया की सबसे बड़ी हेल्थकेयर केंद्रित निजी इक्विटी कंपनी क्वाड्रिया कैपिटल ("क्वाड्रिया") ने आज भारत के अग्रणी और सबसे तेजी से बढ़ते निजी आई केर क्लिनिक मैक्सविजन आई हॉस्पिटल ("मैक्सविजन") में 1,300 करोड़ रुपये तक के निवेश की घोषणा की। क्वाड्रिया अल्पांश हिस्सेदारी के लिए लगभग 600 करोड़ रुपये और अतिरिक्त हिस्सेदारी के लिए 700 करोड़ रुपये तक का प्रारंभिक निवेश करेगी। इस निवेश से मैक्सविजन की विस्तार क्षमता बढ़ाने और भारत में आंखों की देखभाल की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी, विशेष रूप से टियर -2 और टियर -3 शहरों में जहां भारतीय आई केर बाजार में सेवाएं कम मात्रा में उपलब्ध हैं। कुल मिलाकर, व्यापक आई केर उद्योग को पिछले वर्ष के दौरान 7,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्राप्त हुआ है।

1996 में स्थापित, मैक्सविजन दक्षिणी और पश्चिमी भारत के छह राज्यों में 42 केंद्रों का संचालन करता है, जिसमें आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अग्रणी स्थान हैं। कंपनी मोतियाबिंद सर्जरी, लैसिक और ReLEx स्माइल ट्रीटमेंट, रेटिना और ग्लूकोमा, ओकुलोप्लास्टी के साथ-साथ नवजात और बाल चिकित्सा आंखों की देखभाल के लिए उपचार सहित क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला में पूर्ण आंख देखभाल सेवा प्रदान करती है।

हेपीनेश हेल्थ कार्ड अब आपके स्वास्थ्य और इलाज में अभिगम्यता और सामर्थ्य की जिम्मेदारी लेगा

सूरत । क्रेडिट कार्ड पर जेब से एक रूपया खर्च किए बिना जैसे आप पहले खरीदारी करते हैं या बिल का भुगतान करते हैं और उसके बाद अपनी जेब से यह राशि चुकाते हो, वैसे ही अब अस्पताल में इलाज के लिए भी आप समय पर जेब से पैसे खर्च करने से बच सकते हैं और कार्ड के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं। अहमदाबाद स्थित हैप्पीनेस इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा हेल्थ कार्ड लॉन्च किया जा रहा है। जिसके जरिए आप बाद में इन रुपयों का भुगतान तय समय सीमा के भीतर कर सकेंगे। इस कार्ड से इलाज के लिए तो क्रेडिट मिलेगी ही, साथ में दवा और लेबोरेटरी चार्ज में छूट का लाभ भी मिलेगा। इसके लिए कंपनी की ओर से एक मोबाइल एप्लीकेशन भी लॉन्च किया गया है।

कंपनी के 30 साल के हेल्थकेयर लाइन के दिग्गज संस्थापक श्री मयूरसिंह जाडेजा और श्री जयदीपभाई नंदानी ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य पूरे हेल्थकेयर इकोसिस्टम को कवर करना है। कंपनी की ओर से एक हेल्थ कार्ड लॉन्च किया गया है। हेल्थ कार्ड के उपयोग और भुगतान के ट्रैक रिकॉर्ड को देखकर क्रेडिट सीमा बढ़ाई जाएगी। दवा के बिल पर न्यूनतम 10 प्रतिशत और लेबोरेटरी शुल्क पर 40 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। साथ ही आपको दवा की मुफ्त होम डिलीवरी भी मिलेगी। अस्पताल में ओपीडी जांच और अन्य सेवाओं के शुल्क में भी भविष्य में छूट दी जाएगी। इसके अलावा, हर महीने एक बार बीपी और ब्लड ग्लूकोज की जांच मुफ्त होगी, साथ ही वजन, एसपीओ2 और एचआर, तापमान की जांच असीमित मुफ्त होगी।

कंपनी ने गुजरात और सौराष्ट्र के लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक हेल्थ कार्ड और मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया है। इस कार्ड के तहत 5000 हजार से ज्यादा मेडिकल स्टोर कवर होंगे। जिससे सभी के मेडिकल बजट में राहत मिलेगी। साथ ही भविष्य में डॉक्टर, अस्पताल और लेबोरेटरीज भी इस कार्ड के दायरे में आएंगी। कार्ड और मोबाइल एप्लिकेशन को शुरुआत में चार मेट्रो शहरों में लॉन्च किया गया है और क्रमश: पूरे राज्य में लॉन्च किया जाएगा।

ऐसे डाउनलोड करें हैप्पीनेस मोबाइल ऐप्

चरण 1. आवेदन पत्र भरना आप Google Play Store से Happyness - Customer Delight ऐप डाउनलोड कर सकते हैं।

चरण 2. डिजिटल फॉर्म पर मांगी गई जानकारी भरें। इसमें आपका व्यक्तिगत विवरण, संपर्क जानकारी, स्थायी पता, ईमेल पता और कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी शामिल हो सकती है।

चरण 3. केवाईसी पूरा करने के लिए आधार- कार्ड या पैन- कार्ड नंबर अनिवार्य है।

चरण 4. अपनी प्रोफ़ाइल की समीक्षा करें और सुनिश्चित करें कि सब कुछ सही है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)